

साप्ताहिक

कोबरा डॉट कॉम

वर्ष : 17

अंक : 26

भोपाल गुरुवार 23 जुलाई 2026

पृष्ठ : 8

मूल्य : 2 रुपये

हवा में गायब हो जाता है ये मिस्टर इंडिया वाला ड्रोन

कोबरा डॉट कॉम । न्यूज



नई दिल्ली। विज्ञान और रोबोटिक्स के क्षेत्र में वैज्ञानिकों ने एक ऐसी सनसनीखेज ईजाद की है, जो भविष्य के युद्धक्षेत्रों और निगरानी तंत्र को पूरी तरह बदल कर रख देगी। अमेरिका की नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के इंजीनियरों ने एक ऐसा क्रांतिकारी ड्रोन विकसित किया है, जो उड़ान भरते ही आसमान में मिस्टर इंडिया की तरह लगभग गायब हो जाता है। इस अनूठी तकनीक को एक हालिया रोबोटिक्स कॉन्फ्रेंस में कम्प्यूटेशनल डिजाइन ऑफ ए लो-विजिबिलिटी यूएवी यूजिंग ह्यूमन-अलाइड पर्सपेक्टिव मीट्रिक शीर्षक वाले रिसर्च पेपर के माध्यम से दुनिया के सामने पेश किया गया है। आमतौर पर ड्रोन को अदृश्य बनाने के लिए वैज्ञानिक पारदर्शी सामग्री, कैमरा पेंट या विशेष लेंस का इस्तेमाल करते आए हैं, लेकिन ये तरीके धूप को रोकने और जमीन पर परछाई बनने के कारण अक्सर नाकाम साबित होते थे। नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने इस समस्या का समाधान किसी महंगे मैटेरियल से नहीं, बल्कि इंसानी दृष्टि और दिमाग की एक कमजोरी का फायदा उठाकर निकाला है। इस विशेष ड्रोन का नाम फैंटम ट्विस्ट रखा गया है।

4 लाख के कर्ज को 29 लाख बताकर जमीन हड़पने की साजिश, सराफा कारोबारी यश छाजेड़ गिरफ्तार



रतलाम। चार लाख रुपये के उधार को ब्याज जोड़कर 29 लाख रुपये बताने, युवक का अपहरण कर उसे कार में बंधक बनाकर रतलाम लाने, आधार कार्ड के ओटीपी लेकर पिता के नाम का एक हजार रुपये का कोरा स्टाम्प खरीदने और तीन बीघा जमीन अपने नाम कराने की धमकी देने के मामले में बिलपांक पुलिस ने मुख्य आरोपित चांदनी चौक निवासी 28 वर्षीय यश पुत्र पारस छाजेड़ को गिरफ्तार किया है। आरोपित यश की शांति छाजेड़ ज्वेलर्स नाम से सराफा दुकान है। मामले में उसके साथ ग्राम मुंदड़ी निवासी कान्हा पुत्र भंवरलाल जाट निवासी मुन्दड़ी, अजय उर्फ अजु पुत्र राजेश जाट, प्रदीप पुत्र भंवरलाल जाट तथा धर्मेन्द्र उर्फ भूरा पुत्र लालू जाट की तलाश कर रही है। ग्राम ढिकवा निवासी जितेंद्र जाट ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके पिता कैलाश जाट और माता श्यामाबाई ने उसके भाई धर्मेन्द्र जाट की शादी के लिए यश छाजेड़ से करीब चार लाख रुपये उधार लिए थे। इसके बदले यश ने उसके हस्ताक्षर वाले दो ब्लैंक चेक रख लिए थे। वर्ष 2021 तक वह फसल की आमदनी से यश छाजेड़ को किस्तों में रकम देता रहा, लेकिन कभी कोई रसीद नहीं दी गई। रसीद मांगने पर आरोपित कहते थे कि रकम जमा कर ली गई है और केवल हस्ताक्षर करवा लेते थे। भाई धर्मेन्द्र की कैसर से मौत के बाद वह नियमित भुगतान नहीं कर सका। इस दौरान आरोपितों ने ब्याज जोड़ते हुए चार लाख रुपये की राशि को बढ़ाकर 29 लाख रुपये बता दिया। 28 मई को जब जितेंद्र गांव के सिनोद रोड स्थित तालाब पर ट्रैक्टर चला रहा था, तभी प्रदीप जाट की काले रंग की एक्सयूवी (क्रमांक एमपी-13-जेड-9343) से कान्हा जाट, अजय उर्फ अजु जाट, प्रदीप जाट और धर्मेन्द्र उर्फ भूरा जाट वहां पहुंचे।

184.83 करोड़ रुपए की लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण

युवाओं के लिए मध्यप्रदेश के 4 महानगरों में प्रारंभ होंगे फास्ट ट्रैक कोर्ट : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत 35 लाख से अधिक हितग्राहियों को लगभग 210 करोड़ राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पन्ना में पर्यटन बढ़ाने के लिए नदी पर बने अनोखे ग्लास फ्लोर और व्यू प्वाइंट का लोकार्पण किया

कोबरा डॉट कॉम । न्यूज

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी गौरवशाली संस्कृति और वसुधैव कुटुम्बकम के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए विश्व कल्याण के लिए प्रयास कर रहा है। हमारी संस्कृति में सबके कल्याण और मानवता से प्रेम करने की बात कही गई है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने युवाओं के हित में उनकी शिक्षा और रोजगार से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की है। मध्यप्रदेश के चारों महानगरों- भोपाल, जबलपुर, इंदौर और ग्वालियर में इसी प्रकार के फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगले साल पन्ना मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण किया जाएगा। नीट के अभ्यर्थियों को डॉक्टर बनने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पन्ना में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे



थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत 35 लाख से अधिक हितग्राहियों को लगभग 210 करोड़ रुपए की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण किया। उन्होंने प्रतीक स्वरूप विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के हितग्राहियों एवं आत्मनिर्भर ग्राम पंचायतों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कृषि कल्याण वर्ष के उपलक्ष्य में हल भेंट कर सम्मानित किया गया।

पलायन रूका, अब बुंदेलखंड को समृद्ध बनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड की धरती सर्वश्रेष्ठ है। यह महाराज छत्रसाल, वीर आल्हा-ऊदल की धरती है। सौभाग्यशाली व्यक्ति ही ऐसी पुण्य धरा पर आ सकता है। यहां पन्ना में धरती के नीचे हीरा निकलता है, लेकिन धीरे-धीरे पानी की कमी होती गई। लोगों ने पलायन शुरू कर दिया, जिसे हमारी सरकार ने रोका। अब हमारी सरकार ने बुंदेलखंड की समृद्धि के लिए भारतरत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के संकल्प के अनुसार अंतर्राज्यीय केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की शुरुआत की है। केंद्र सरकार ने 1 लाख करोड़ की इस

पन्ना क्षेत्र के पर्यटन को बढ़ाएगा नया अनोखा ग्लास फ्लोर और व्यू प्वाइंट

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने पन्ना के बृहस्पति कुंड पर 8 करोड़ लागत से सौंदर्यीकरण के अंतर्गत निर्मित ग्लास फ्लोर और व्यू प्वाइंट सहित अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण किया। पन्ना में निर्मित यह कांच के फ्लोर वाला व्यू प्वाइंट यहां के पर्यटन को बढ़ाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसे देखने देश-विदेश से लोग आएंगे। भारत के पर्यटकों को भी अन्य देशों में जाने की आवश्यकता नहीं है। यहां के प्राकृतिक जल प्रपात पर्यटन में वैश्विक केंद्र बनने के योग्य हैं।

दो सांदीपनि विद्यालयों की सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुल 184.83 करोड़ रुपए की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। इन कार्यों में गुन्नौर और पवाई के 74 करोड़ रुपए लागत के 2 सांदीपनि विद्यालय शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय देश में सबसे अच्छे विद्यालय हैं। प्रदेश में भव्य सांदीपनि विद्यालय बनाए गए हैं। यह विद्यालय भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता के प्रतीक हैं। सांदीपनि विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और संस्कारों के साथ शिक्षा दी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने पुलिस विभाग में लगभग 10 हजार नए पद मंजूर किए हैं। पिछले साल 8 हजार पदों पर भर्ती की गई। प्रदेश में कुल एक लाख से अधिक शासकीय पदों पर युवाओं को नौकरी के अवसर मिले हैं। सरकार युवाओं को रोजगार से जोड़ना चाहती है। किसान पशुपालन और दूध उत्पादन के माध्यम से अपनी आय बढ़ा सकते हैं। राज्य में अभी 12 प्रतिशत दूध उत्पादन है, इसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। किसान खेती से लाभ कमाएं, दूध उत्पादन से आय बढ़ाएं और मछली उत्पादन से भी फायदा कमा सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रही है। बुंदेलखंड में औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। पन्ना में हजारों करोड़ का निवेश आ रहा है। सागर संभाग में ही बीना में रिफाइनरी के विस्तार का कार्य भी हुआ है। खेत से लेकर फैक्ट्री और फिर निर्यात तक हमारी सरकार हर क्षेत्र में कार्य कर रही है।

परियोजना के लिए 90 प्रतिशत राशि देने की स्वीकृति प्रदान की। नदी जोड़ो परियोजना किसानों के लिए समृद्धि लेकर आएगी। राज्य सरकार ने तय किया है कि ऐसी परियोजनाओं में किसी की जमीन, मकान और दुकान आती है तो उसे उचित

मुआवजा दिया जाएगा। इस परियोजना से बुंदेलखंड परितृश्य बदलने वाला है। किसान अपनी जमीन बेचने का विचार मन में न लाएं। खेती के मामले में यह क्षेत्र अब पंजाब और हरियाणा को पीछे छोड़ेगा।

हादसे के बाद हंगामा करने वाले गौवंश को गौशालाओं तक पहुंचाने में क्यों नहीं दिखाते सक्रियता?

दान, अनुदान और सरकारी सहायता से चल रही गौशालाएं, फिर सड़कों पर क्यों भटक रहा गौवंश?

कोबरा डॉट कॉम । न्यूज

नरसिंहपुर। जिल के स्टेट हाईवे सहित फोरलेन मार्गों पर बड़ी संख्या में गायों और अन्य गौवंशीय पशुओं के झुंड आसानी से देखे जा सकते हैं। सवाल यह है कि जब गौ संरक्षण के नाम पर जिले में अनेक गौशालाएं संचालित हैं, जिन्हें दान, अनुदान और सरकारी योजनाओं से सहायता मिल रही है, तो फिर यह गौवंश सड़कों पर क्यों भटक रहा है?

सड़कों वाहनों के आवागमन के लिए बनाई गई हैं। वाहन चालक रोड टैक्स देकर इन मार्गों का उपयोग करते हैं, लेकिन सड़कों पर बैठे या घूमते आवारा मवेशियों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। कई मामलों में गौवंश घायल हो जाता है या उसकी मृत्यु तक हो जाती है, वहीं वाहन चालकों और यात्रियों की जान भी जोखिम में पड़ती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि गौशालाओं का उद्देश्य निराश्रित और आवारा गौवंश



का संरक्षण है, तो फिर बड़ी संख्या में पशु सड़कों पर क्यों दिखाई देते हैं? गौ संरक्षण के नाम पर संचालित संस्थाओं और गौशालाओं की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यह भी देखा जाना चाहिए कि कहीं गौशालाओं के नाम पर प्राप्त भूमि, अनुदान और संसाधनों का उपयोग केवल कागजों तक ही सीमित तो नहीं है। आरोप यह भी लगते रहे हैं कि कई स्थानों पर केवल दुग्ध उत्पादन करने वाले पशुओं को रखा जाता है, जबकि बूढ़े, बीमार या



गैर-दुग्धीय गौवंश को खुला छोड़ दिया जाता है। यदि यह सच है तो यह गौ संरक्षण की भावना के विपरीत है। एक अन्य गंभीर विषय यह भी है कि बड़े नगरों से पकड़े गए आवारा पशुओं को कई बार ग्रामीण क्षेत्रों और मुख्य सड़कों के आसपास छोड़ दिए जाने की शिकायतें सामने आती हैं। यदि ऐसा हो रहा है तो इस पर भी प्रभावी रोक लगाई जानी चाहिए। जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और गौशाला संचालकों से आमजन यह सवाल पूछ रहा है कि जब गौशालाओं

के लिए भूमि, भवन, अनुदान और दान उपलब्ध हैं, तो फिर सड़कों पर बैठे गौवंश और उनसे होने वाली दुर्घटनाओं की जिम्मेदारी कौन लेगा? गौ संरक्षण केवल नारों और भावनाओं का विषय नहीं, बल्कि व्यवस्थागत जिम्मेदारी का भी प्रश्न है। यदि गौवंश की सुरक्षा सुनिश्चित करनी है तो उसे सड़कों से हटाकर सुरक्षित गौशालाओं तक पहुंचाना होगा, अन्यथा दुर्घटनाओं और विवादों का यह सिलसिला लगातार जारी रहेगा।

खरगोन में 10 किमी पैदल चलकर कलेक्ट्रेट पहुंचीं 250 छात्राएं, अधीक्षिका के निलंबन पर भड़कीं, जानें पूरा मामला



खरगोन में 10 किमी पैदल चलकर कलेक्ट्रेट पहुंचीं 250 छात्राएं, अधीक्षिका के निलंबन पर भड़कीं, जानें पूरा मामला

अधीक्षिका की बहाली की मांग के बाद रखीं अन्य समस्याएं

कोबरा डॉट कोम । न्यूज़

खरगोन। छात्राओं ने पहले तो मांग की कि

रास्ता पृष्ठने के बहाने रोका, हमला कर लूटा था मोबाइल, खरगोन में पुलिस ने गिरफ्तार किए 3 आरोपी

कोबरा डॉट कोम । न्यूज़

खरगोन। दूध वितरण कर घर लौट रहे एक युवक से रास्ता पृष्ठने के बहाने लूट करने वाले तीन आरोपितों को मेनगांव पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त बाइक जब्त की है। तीनों आरोपितों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार ग्राम अकावल्या निवासी महेश दूध वितरण का कार्य करता है। उसने थाना मेनगांव में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 18 जुलाई की रात करीब 11:30 बजे वह खरगोन से दूध वितरण कर अपने गांव लौट रहा था। नंदगांव बगुद-अकावल्या मार्ग स्थित पुलिया के पास बाइक सवार तीन युवकों ने उसे रोककर लिक्वी गांव का रास्ता पूछा। इसके बाद वह आगे बढ़ गया, लेकिन कुछ दूरी पर आरोपितों ने उसकी बाइक के सामने अपनी बाइक अड़ा दी और मोबाइल छीनने का प्रयास किया। महेश के विरोध करने पर आरोपितों ने पथरों से

अधीक्षिका को गलत तरीके से हटाया गया है, इसलिए मामले की पुनः जांच करवाई जाए और उन्हें बहाल किया जाए। वहीं, जब जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त ने छात्राओं को पूरी स्थिति से अवगत करवाया और अधीक्षिका के निलंबन के कारण बताए तो छात्राओं ने अन्य समस्याओं के निराकरण की मांग की।

10 किमी पैदल चलकर कलेक्ट्रेट पहुंचीं छात्राएं, एसडीएम ने दी समझाइश

मंगलवार सुबह रैली के रूप में निकली छात्राओं को रास्ते में प्रशासनिक अधिकारियों ने रोकने और समझाने का प्रयास किया। छात्राएं प्रभारी कलेक्टर रेखा राठौर से मिलने की जिद पर अड़ी रहीं और पैदल ही कलेक्ट्रेट पहुंचीं। मामले में एसडीएम सत्येंद्र बैरवा ने बताया कि आर्थिक अनियमितताओं और वित्तीय गबन के आरोपों के चलते अधीक्षिका अंकिता खोड़े को निलंबित किया गया है। उन्होंने छात्राओं को समझाया कि निलंबन एक प्रशासनिक प्रक्रिया है। एसडीएम ने छात्राओं से अपील की कि वे अपना ध्यान पढ़ाई में लगाएं।



हमला कर उसके सिर, हाथ और होंठ पर चोट पहुंचाई और मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। सीसीटीवी फुटेज से पहुंचे आरोपितों तक एसडीओपी सौरभ तोमर के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी मंशाराम रोमड़े के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, फरियादी से विस्तृत जानकारी ली और आसपास के संभावित मार्गों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जांच के दौरान मिले सुराग और मुखबिर की सूचना के आधार पर तीन आरोपितों पर संदेह हुआ। पुलिस टीम ने तीनों को घेराबंदी

कर हिरासत में लिया। गिरफ्तार आरोपियों में लालु (19) पिता रायसिंग बड़ोले व करण (24) पिता भाया उर्फ बुखिया बड़ोले निवासी बैडी फलिया भडवाली थाना बरूड़ और रविन (19) पिता भाया वास्करले निवासी पटेल फलिया उपड़ी थाना ऊन शामिल हैं। पूछताछ में आरोपितों ने लूट की वारदात स्वीकार कर ली। उनकी निशानदेही पर करीब लूटा गया मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त बाइक जब्त की गई। कार्रवाई में थाना मेनगांव पुलिस के साथ साइबर सेल की टीम का योगदान रहा।

एमपी में गजब का फर्जीवाड़ा... भतीजे की डिग्री पर चाचा बन बैठा डॉक्टर, एक ही नाम पर 3 जिलों में डॉक्टर की नौकरी

कोबरा डॉट कोम । न्यूज़

खरगोन। मध्य प्रदेश में एक ही व्यक्ति के नाम पर तीन जिलों में संविदा चिकित्सक की नियुक्ति का मामला अब और उलझ गया है। अब इस प्रकरण में नया मोड़ तब आया, जब खुद को वास्तविक डॉ. महेश चंद शर्मा बताने वाले एक एमबीबीएस चिकित्सक ने शहडोल के जयसिंहनगर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके चाचा सतीश शर्मा ने उनके नाम और शैक्षणिक दस्तावेजों का कथित दुरुपयोग कर प्रदेश के तीन जिलों में संविदा चिकित्सा अधिकारी की नौकरी हासिल की और वर्षों तक शासन से मानदेय भी लेते रहे।

शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उन्होंने वर्ष 2019 में भोपाल के पीपल्स मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस किया और वर्तमान में राजस्थान के डीग जिले के पूंछरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत हैं। कुछ दिन पहले उन्हें जानकारी मिली कि उनके नाम और दस्तावेजों का उपयोग कर प्रदेश में कोई व्यक्ति डॉक्टर के रूप में कार्य कर रहा है। इसके बाद उन्होंने पुलिस से कार्रवाई की मांग की। मामला तीन जुलाई को सामने आया, जब रीवा लोकायुक्त ने शहडोल जिले के ऊफरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ संविदा चिकित्सक डॉ. महेश चंद शर्मा को कथित रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। इसके बाद राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने दस्तावेजों की जांच शुरू की तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। जांच में पता चला कि इसी नाम का चिकित्सक एक जून 2021 से श्योपुर जिले के सहसराम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भी पदस्थ है। वहीं फरवरी 2023 से खरगोन जिले के केली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भी इसी नाम से संविदा चिकित्सक की नियुक्ति हुई थी। इससे एक ही नाम पर तीन जिलों में नौकरी किए जाने का मामला उजागर हुआ।

नाम और दस्तावेजों में भी किया गया कथित बदलाव

एनएचएम की प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि आरोपित ने अलग-अलग जिलों में नियुक्ति के लिए अपने तथा अपने पिता के नाम में मामूली बदलाव कर अलग-अलग दस्तावेज

और तीन पैन कार्ड का उपयोग किया। इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर संविदा नियुक्तियां हासिल करने का संदेह है। खरगोन जिले से संबंधित रिकॉर्ड भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को भेजे जा चुके हैं।

भोपाल में पहले ही दर्ज हो चुकी है एफआईआर

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की शिकायत पर भोपाल के चुनाभट्टी थाने में आरोपित के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया जा चुका है। एफआईआर में आरोप है कि फर्जी पहचान और दस्तावेजों के आधार पर तीन जिलों में संविदा चिकित्सक की नियुक्ति लेकर शासन को आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया।

अब तीन जिलों के रिकॉर्ड की होगी जांच

शहडोल के जयसिंहनगर थाना प्रभारी अजय बैगा ने बताया कि दो जिलों के दस्तावेज पुलिस को मिल चुके हैं। शिकायतकर्ता द्वारा प्रस्तुत एमबीबीएस डिग्री और अन्य प्रमाण-पत्रों का सत्यापन कराया जा रहा है। तीसरे जिले का रिकॉर्ड मिलने के बाद पूरे मामले की वैधानिक जांच आगे बढ़ाई जाएगी। पुलिस यह भी पता लगाएगी कि नियुक्ति प्रक्रिया में किन स्तरों पर लापरवाही हुई और कथित फर्जी दस्तावेजों के आधार पर तीन जिलों में नियुक्ति कैसे संभव हुई।

एक नजर में पूरा मामला

तीन जुलाई : शहडोल में लोकायुक्त ने संविदा चिकित्सक को कथित रिश्वत लेते पकड़ा।

जांच में खुलासा : वही नाम श्योपुर और खरगोन में भी संविदा चिकित्सक के रूप में मिला।

एनएचएम की जांच : अलग-अलग दस्तावेज, नाम में बदलाव और तीन पैन कार्ड का उपयोग मिलने की बात सामने आई।

भोपाल में एफआईआर : चुनाभट्टी थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज।

नया मोड़ : वास्तविक एमबीबीएस डॉक्टर ने सामने आकर आरोप लगाया कि उनके चाचा ने उनके नाम और दस्तावेजों का दुरुपयोग किया।

एमपी का परिवार नौ वर्षों से मना रहा नीम के पेड़ का जन्मदिन, जानिए इस अनूठी पहल के पीछे की दिलचस्प कहानी

कोबरा डॉट कोम । न्यूज़

खरगोन। पर्यावरण संरक्षण को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच खरगोन का एक परिवार पिछले नौ वर्षों से एक अनूठी परंपरा निभा रहा है। शहर के सनावद रोड स्थित मेडिकल स्टोर संचालक कोमल शुक्ला हर वर्ष 16 जुलाई को अपने घर के सदस्य की तरह एक नीम के पेड़ का जन्मदिन मनाते हैं। इस अवसर पर परिवार के सदस्य केक काटते हैं और लोगों को पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल करने का संदेश देते हैं।

2017 में लगाया था नीम का पौधा

कोमल शुक्ला ने बताया कि 16 जुलाई 2017 को उन्होंने अपनी दुकान के सामने नीम का एक छोटा पौधा लगाया था। उसी समय उन्होंने यह संकल्प लिया था कि केवल पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी पूरी जिम्मेदारी निभाकर उसे एक मजबूत और विशाल पेड़ बनाना भी जरूरी है। इसी सोच



के साथ परिवार ने पौधे की लगातार देखभाल की और उसे सुरक्षित रखने का प्रयास किया। **आरओ के पानी से की सिंचाई, आज बना घना पेड़**

परिवार ने पौधे की देखभाल में कोई कमी



नहीं छोड़ी। गर्मी के मौसम में भी पौधा सूखने न पाए, इसके लिए विशेष रूप से आरओ के पानी से उसकी सिंचाई की व्यवस्था की गई। नियमित देखभाल और नौ वर्षों की मेहनत का परिणाम यह है कि आज वह छोटा पौधा घने और छायादार नीम के पेड़ का रूप ले

चुका है। सड़क से गुजरने वाले राहगीरों को इसकी ठंडी छांव राहत देती है, वहीं आसपास का वातावरण भी पहले की तुलना में अधिक हराभरा और स्वच्छ दिखाई देता है।

केक काटकर मनाया नौवां जन्मदिन

गुरुवार को नीम के पेड़ के नौवें जन्मदिन के अवसर पर परिवार ने केक काटकर इस खास दिन का उत्सव मनाया। परिवार के सदस्यों ने पेड़ के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं और पर्यावरण संरक्षण का संदेश साझा किया। इस दौरान डा. अविनाश मिश्रा सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

पौधे लगाएं ही नहीं, उनकी जिम्मेदारी भी निभाएं

कोमल शुक्ला ने लोगों से अपील की कि वे केवल पौधे लगाकर औपचारिकता पूरी न करें, बल्कि उनकी नियमित देखभाल भी करें। उनका कहना है कि यदि हर व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधे को परिवार के सदस्य की तरह अपनाकर उसकी जिम्मेदारी निभाए, तो आने वाले वर्षों में शहरों और गांवों में हरियाली बढ़ेगी। उनका मानना है कि पेड़ों का संरक्षण ही स्वच्छ हवा, बेहतर जलवायु और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का सबसे प्रभावी माध्यम है।

एमपी में बदले खनिज परिवहन के नियम

कोबरा डॉट कोम ।न्यूज

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने खनिजों के अवैध परिवहन पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रदेश में स्थापित 40 ई-चेकपोस्ट को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए नियमों में संशोधन कर दिया है। नई व्यवस्था के तहत ई-चेकपोस्ट से गुजरने वाले वाहनों की नंबर प्लेट और अभिवहन पास का मिलान किया जाएगा, जिससे अवैध परिवहन की पहचान आसान होगी।

आंकड़ों के विश्लेषण से होगी प्रभावशीलता की समीक्षा

खनिज विभाग ई-चेकपोस्ट से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण कर यह भी आकलन करेगा कि इनकी स्थापना के बाद अवैध खनिज परिवहन में कितनी कमी आई है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी वाहन

क्षतिग्रस्त या छेड़छाड़ वाली नंबर प्लेट अथवा ईटीपी के बिना परिवहन न कर सके।

मानवरहित चेकपोस्ट से होगी निगरानी

संशोधित नियमों के अनुसार, मानवरहित ई-चेकपोस्ट के जरिए खनिज परिवहन में लगे वाहनों की लगातार निगरानी की जाएगी। नियमों के उल्लंघन की स्थिति में ऑनलाइन कार्रवाई का प्रावधान भी किया गया है। फिलहाल ये ई-चेकपोस्ट केवल वाहनों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। चालान या अन्य दंडात्मक कार्रवाई अभी शुरू नहीं की गई है।

स्टेट कंट्रोल कमांड सेंटर से होगी 24 घंटे निगरानी

सभी ई-चेकपोस्ट को स्टेट कंट्रोल कमांड सेंटर से जोड़ा जाएगा। यह सेंटर चेकपोस्ट से गुजरने वाले



प्रत्येक वाहन की निगरानी करेगा। खनिज साधन संचालनालय में

इन जिलों में लगाए गए हैं ई-चेकपोस्ट

प्रदेश के कई जिलों में ई-चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं। इनमें अनूपपुर में तीन, बालाघाट में एक (लालबारी-सिवनी मार्ग), भोपाल में तीन (नीलबढ़, इटखेड़ी और बंगरसिया), छतरपुर में दो (छतरपुर और लवकुशनगर), छिंदवाड़ा में दो (सरां और जुनारदेव) शामिल हैं। इसके अलावा देवास, इंदौर, रायसेन, सतना-मैहर, सीहोर, शहडोल, टीकमगढ़ और उमरिया में एक-एक, रीवा, सीधी और ग्वालियर, मुरैना में दो-दो, सिंगरौली में तीन तथा भिंड, दतिया, जबलपुर, निवाड़ी और सागर में भी ई-चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं। जबलपुर में प्रस्तावित तीन में से दो ई-चेकपोस्ट संचालित हैं।

वाहन मालिकों की भी तय हुई जिम्मेदारी

नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक वाहन मालिक को अपने पंजीकृत वाहन पर स्वयं के खर्च से आईटी आधारित उपकरण लगवाना और उसका रखरखाव करना होगा। यदि निरीक्षण के दौरान यह सिस्टम खराब पाया जाता है, तो संबंधित वाहन को प्रतिबंधित किया जाएगा।

कृषि महोत्सव झाबुआ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऑनलाइन किसानों से की चर्चा

कोबरा डॉट कोम ।न्यूज

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को झाबुआ में बलराम कृषि महोत्सव के अंतर्गत ऑनलाइन किसानों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा आधुनिक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उल्लेखनीय है कि “कृषक कल्याण वर्ष” के अंतर्गत प्रदेश में “बलराम कृषि महोत्सव-2026 मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर से इसकी शुरुआत की। अगला बलराम कृषि महोत्सव 21 जुलाई को आलीराजपुर में, 23 जुलाई को बड़वानी, 25 जुलाई को खरगौन में, 27 जुलाई को बुरहानपुर में और 30 जुलाई को खण्डवा में आयोजित किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मौसम विभाग द्वारा इस वर्ष सामान्य से कम वर्षा की संभावना व्यक्त की गई है। ऐसी स्थिति में उन्होंने प्रशासन को पूरी तैयारी के साथ किसानों की सहायता के लिए तत्पर रहने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि किसानों को तीन लाख रुपये तक का कृषि ऋण शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों को मात्र पांच रुपये में बिजली कनेक्शन दिए जा रहे हैं तथा डेयरी विकास के लिए 40 लाख रुपये तक की योजना में 33 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने किसानों से आह्वान किया कि वे आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक सलाह, प्राकृतिक खेती और जल संरक्षण के सिद्धांतों को अपनाकर कृषि को अधिक लाभकारी बनाएं। केंद्र और राज्य सरकार किसान हितों की रक्षा तथा कृषि विकास के लिए हर संभव सहयोग देने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के “प्राकृतिक खेती” के विजन को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत झाबुआ जिले में 50 कृषि सखियों का चयन किया गया है। जिले में वर्तमान में लगभग 3,125 एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की जा रही है तथा किसानों की प्राकृतिक खेती का प्रमाणीकरण भी कराया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, मंत्रीगण सहित ई-बस से पहुंचे जगदीशपुर, ईधन और शासकीय संसाधनों के मितव्ययी उपयोग का दिया संदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मार्ग में कई स्थानों पर हुआ स्वागत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धरोहर प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

कोबरा डॉट कोम ।न्यूज

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज मंत्री परिषद की बैठक के लिए ई-बस से जगदीशपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में ईधन, शासकीय संसाधनों के मितव्ययी उपयोग और सुशासन की भावना को साकार करते हुए मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ, सामूहिक रूप से मुख्यमंत्री निवास से इलेक्ट्रिक बस से प्रस्थान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अनुकरणीय पहल के लिए अपने शासकीय वाहन और सुरक्षा काफिला सीएम हाउस में ही छोड़े। समस्त मंत्रीगण और उनका स्टाफ प्रातः 10 बजे मुख्यमंत्री निवास पहुंचे, जहां से तीन इलेक्ट्रिक बसों के माध्यम से सामूहिक रूप से सभी बैठक स्थल के लिए रवाना हुए। इस दौरान मंत्रियों के व्यक्तिगत वाहन, पायलट



और फॉलो वाहन जैसी सुविधाएं मुख्यमंत्री निवास में ही रोक दी गईं। वरिष्ठ अधिकारी अपने वाहनों के बजाय ई-बस से हुए रवाना। मंत्रिपरिषद बैठक में सम्मिलित होने वाले वरिष्ठ अधिकारीगण भी अपने वाहनों को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में छोड़कर प्रातः 10 बजे इलेक्ट्रिक बस से सामूहिक रूप से जगदीशपुर बैठक स्थल पहुंचें। यह पहल मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उस सोच को परिलक्षित करती है, जिसके अंतर्गत शासन के हर स्तर पर सादगी, मितव्ययिता और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को प्राथमिकता दी जा रही है। मुख्यमंत्री निवास से चली ई-बसों के

प्रति राजधानी वासी विशेष रूप से उत्सुक रहे, कई स्थानों पर ई-बसों पर पुष्प वर्षा की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मार्ग में पातरा पुल, लांबाखेड़ा और जगदीशपुर में प्रवेश पर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के जगदीशपुर पहुंचने पर विधायक श्री विष्णु खत्री ने अंग वस्त्रम से उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का प्रवेश द्वार पर तिलक कर अभिवादन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर जगदीशपुर दुर्ग में लगाई गई धरोहर प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय कलाकारों से संवाद भी किया।

गोंड राजवंश के साथ ही सिंधिया और राजपूत शासनकाल की गौरवशाली विरासत का प्रतीक है जगदीशपुर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

कोबरा डॉट कोम ।न्यूज

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जगदीशपुर का गौरवशाली इतिहास रहा है। जगदीशपुर लंबे संघर्ष, समृद्ध संस्कृति और सभ्यता का साक्षी रहा है। जगदीशपुर, गोंड राजवंश के साथ ही सिंधिया और राजपूत शासन काल की गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। यहां के गौरवशाली इतिहास के प्रति सम्मान के प्रकटीकरण के लिए मंत्रि-परिषद की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक समानता और न्याय की भावना को समर्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के पास स्थित जगदीशपुर में मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले, मंत्री गण को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए।

जगदीशपुर दुर्ग पर केंद्रित फिल्म का हुआ प्रदर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में “समानता और न्याय की भावना को समर्पित” मंत्रि-परिषद की बैठक वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अपर मुख्य सचिव श्री शिवशेखर शुक्ला ने पौधा और पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिवादन किया। बैठक में उपस्थित सभी मंत्री गण का मंत्री श्री विश्वास सारंग तथा राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने गोंड पेंटिंग भेंट कर अभिवादन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 10 करोड़ रुपए की लागत से नवसंवर्धित जगदीशपुर किले का लोकार्पण किया।

जगदीशपुर दुर्ग के गौरवशाली इतिहास और राज्य शासन द्वारा दुर्ग के संरक्षण को समर्पित फिल्म का प्रदर्शन भी इस अवसर पर किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंत्रि-परिषद की विशेष बैठकें शौर्य-सुशासन-लोककल्याण और सेवा क्षेत्र में विशेष स्थान रखने वाले प्रदेश के महान व्यक्तित्वों से जुड़े स्थानों पर आयोजित की गई हैं। इस कड़ी में पहली डेस्टिनेशन बैठक जबलपुर में वीरांगना रानी दुर्गावती के शौर्य को समर्पित रही। इसके बाद दमोह जिले के सिंग्रामपुर, लोकमाता अहिल्याबाई की नगरी महेश्वर में मंत्रि-परिषद की बैठक की गई। देवी लोकमाता अहिल्याबाई के 300 वें जयंती वर्ष पर इंदौर के राजवाड़ा में और उसके बाद पचमढी के राजभवन में राजा भभूत सिंह के शौर्य को समर्पित मंत्रि-परिषद की बैठक हुई। इसी कड़ी में खजुराहो के महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर में मंत्रि-परिषद की बैठक हुई। बड़वानी जिले में भीलट बाबा देवस्थल नागलवाड़ी में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में जनजातीय नायक क्रांतिसूर्य टंट्या मामा का स्मरण किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्लीमनाबाद वाटर टनल के लिए प्रदेशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इससे अनेक गांवों को लाभ मिलेगा। लगभग ढाई लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में किसानों को सिंचाई सुविधा मिलेगी। कटनी शहर को पेयजल उपलब्ध होगा। लगभग 12 किलोमीटर लंबी स्लीमनाबाद टनल से

रीवा, सतना, मैहर, पन्ना और कटनी जिले लाभान्वित होंगे। आगामी दो से तीन माह में इस टनल परियोजना का शुभारंभ किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में प्रदेश में किसान हित में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदेश में बलराम कृषि महोत्सव जारी है, जिसमें किसानों को जैविक कृषि, खेती में अत्याधुनिक मशीनों के इस्तेमाल, फसल विविधीकरण, कीटनाशकों के कम से कम उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारत टेक्स 2026 में मध्यप्रदेश ने सक्रिय रूप से सहभागिता की। इस आयोजन में प्रदेश को उद्योगपतियों और निवेशकों की ओर से लगभग 20 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिससे भविष्य में 12 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में भोपाल में हुई पहली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस 2025) की सफलता को विशेष रूप से सराहा गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में कम वर्षा की स्थिति बनी हुई है। अब तक इंदौर, बुरहानपुर, नीमच, देवास, आगर-मालवा, भिंड, सीहोर और हरदा में सामान्य से अधिक वर्षा हुई। अब तक प्रदेश के 23 जिलों में सामान्य से कम और 23 जिलों में सामान्य वर्षा हुई है। अलीराजपुर अति अल्प वर्षा से प्रभावित हैं।

मप्र में यूसीसी बिल को कैबिनेट की मंजूरी बदल जाएंगे शादी-तलाक और वसीयत से लेकर लिव-इन रिलेशनशिप के नियम



कोबरा डॉट कोम ।न्यूज

भोपाल। मध्यप्रदेश के लिए 19 जुलाई का दिन ऐतिहासिक रहा। अब राज्य में किसी के लिए कोई विशेष कानून नहीं होगा। सभी धर्मों के लोग एक ही कानून के तहत जीवन-यापन करेंगे। चाहे लिव-इन हो या जीवन से जुड़ा कोई भी मामला, सब एक ही नियम से तय होगा। दरअसल रविवार को जगदीशपुर में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यूसीसी विधेयक-2026 के ड्राफ्ट को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। अब इसे विधानसभा में पेश किया जाएगा। विधानसभा का सत्र कल से शुरू हो रहा है। समान नागरिक संहिता को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया से कहा कि भारत के संविधान में बताए गए एक समानता, बराबरी, न्याय और धर्मनिरपेक्षता के विज्ञान को साकार करने की दिशा में एक खास कदम है। इसे मध्य प्रदेश के निवासियों के लिए, चाहे उनका धर्म कोई भी हो, शादी, तलाक, वैवाहिक झगड़ों से जुड़े भरण-पोषण, उत्तराधिकार

और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे निजी मामलों को नियंत्रित करने के लिए एक समान पर्सनल सिविल कानून लागू करने के मकसद से बनाया गया है। इस कोड का मुख्य मकसद महिलाओं की सुरक्षा और उन्हें सशक्त बनाना है। ताकि शादी, तलाक और उत्तराधिकार से जुड़े अलग-अलग पर्सनल कानूनों के तहत उनके साथ होने वाले पुराने भेदभाव को खत्म किया जा सके। देश में उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य है, जबकि गुजरात और असम में यूसीसी विधेयक पारित हो चुका है।

महिला-पुरुषों को मिलेंगे समान अधिकार

उन्होंने कहा कि इन अलग-अलग और कभी-कभी बिना लिखित नियमों वाली प्रथाओं में सुधार करके और एक समान व निष्पक्ष ढांचा बनाकर, यह कोड पर्सनल सिविल कानून को आधुनिक बनाता है, ताकि पुरुषों और महिलाओं को समान अधिकार मिल सकें।

Indore Metro Rail: टीबीएम की ग्रेनिटी सुरंग से बाहर निकालेगी मिट्टी, 14 ट्रेलर में इंदौर पहुंचे टनल बोरिंग मशीन के पुर्जे

कोबरा डॉट कोम । न्यूज

इंदौर। इंदौर मेट्रो के भूमिगत हिस्से में सुरंग बनाने के लिए 14 ट्रेलर में टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) के पुर्जे इंदौर पहुंच चुके हैं। इन्हें एयरपोर्ट स्थित मेट्रो स्टेशन की साइट पर रखा गया है। अभी तीन ट्रेलर आना शेष हैं। इसमें टनल बोरिंग मशीन के आगे का हिस्सा जिसे कटर कहा जाता है, वो आना शेष है। एयरपोर्ट के पास फिलहाल ट्रेलर से पहुंचे पुर्जों को ढंककर रखा गया है। सभी पुर्जों के पहुंचने के बाद टनल बोरिंग मशीन को असेंबल करने का काम शुरू किया जाएगा। अभी जिस 20 मीटर गड्ढे में उतारा जाएगा, वो भी तैयार हो चुका है। 320 टन वजनी मशीन को जमीन में उतारने के लिए हाइड्रोलिक क्रेन व उसके पुर्जे भी पहुंच चुके हैं। टीबीएम मशीन का

एक अहम पार्ट ग्रेनिटी को खोला गया है। यह टीबीएम का ही एक हिस्सा है, जिसके माध्यम से सुरंग निर्माण के दौरान मिट्टी को बाहर निकाला जाएगा।

अर्बन चैलेंज फंड के प्रस्तावों की शीघ्र मंजूरी की उठाई मांग

महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने दिल्ली में आल इंडिया काउंसिल आफ मेयर्स की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के दौरान केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात की। उन्होंने इंदौर के विकास, नगरीय निकायों की वित्तीय मजबूती, 74वें संविधान संशोधन के प्रभावी क्रियान्वयन, जन शहरी आजीविका कार्यक्रम तथा स्वच्छता माडल जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

महापौर ने बैठक में इंदौर के लिए स्पेशल असिस्टेंट टू स्टेट्स फार कैपिटल

इन्वेस्टमेंट 2025-26 योजना के तहत सड़कों एवं अन्य आधारभूत अधोसंरचना परियोजनाओं के लिए विशेष अनुदान राशि उपलब्ध कराने की मांग रखी। उन्होंने बताया कि निगम द्वारा शहर के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं प्रस्तावित की गई हैं, जिनके समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार से शीघ्र वित्तीय स्वीकृति आवश्यक है।

नवाचारों का उल्लेख किया गया

उन्होंने अर्बन चैलेंज फंड के अंतर्गत इंदौर नगर निगम द्वारा भेजे गए प्रस्तावों को भी जल्द मंजूरी देने का आग्रह किया। महापौर ने देपालपुर में स्वच्छता प्रबंधन के सफल माडल और वहां किए गए कार्यों की बुकलेट केंद्रीय मंत्री को भेंट की। इसमें कचरा प्रबंधन, जनभागीदारी और स्थानीय स्तर पर विकसित नवाचारों का उल्लेख



किया गया है। बैठक में महापौर ने राष्ट्रीय कार्यक्रम के माध्यम से शहरी गरीबों, महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों और युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार तथा कौशल विकास के अधिक अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं।

खाद-बीज संकट को लेकर कांग्रेस का मप्र विधानसभा के बाहर प्रदर्शन, गांधी प्रतिमा के सामने दिया धरना



कोबरा डॉट कोम । न्यूज

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को कांग्रेस ने किसानों के मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक विधानसभा परिसर के बाहर स्थित गांधी प्रतिमा पर धरने पर बैठे और प्रदेश में खाद-बीज की समस्या को लेकर सरकार को घेरा। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस विधायकों ने हाथों में

एमपी प्राइमरी शिक्षक भर्ती में बड़ा अपडेट: 600 अभ्यर्थियों की नियुक्ति पर संकट, CRR सर्टिफिकेट विवाद पहुंचा कोर्ट; जॉइनिंग अटकी

कोबरा डॉट कोम । न्यूज

भोपाल। मध्य प्रदेश में चल रही प्राथमिक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया के दौरान भारतीय पुनर्वास परिषद (RCI) के केंद्रीय पुनर्वास रजिस्टर (CRR) प्रमाणपत्र को लेकर नया विवाद सामने आया है। कर्मचारी चयन मंडल द्वारा 14 हजार पात्र अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की दोबारा जांच के दौरान करीब 600 ऐसे अभ्यर्थी मिले, जिन्होंने पहले 5 प्रतिशत अतिरिक्त अंक का दावा सीआरआर प्रमाणपत्र के आधार पर किया था, लेकिन स्कूटनी के समय संबंधित प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं कर सके। ऐसे अभ्यर्थियों की नियुक्ति फिलहाल रोक दी गई है।

कोर्ट में पहुंचा मामला, नए अभ्यर्थियों की ज्वाइनिंग पर भी संशय

मामला अब अदालत में विचाराधीन है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, संबंधित अभ्यर्थियों का कहना है कि उनके आवेदन के



साथ सीआरआर प्रमाणपत्र गलती से संलग्न हो गया था। ऐसे में अब अंतिम स्थिति अदालत के फैसले के बाद ही स्पष्ट होगी। वहीं, जिन नए अभ्यर्थियों को इनके स्थान पर मौका मिल सकता है, उनकी नियुक्ति को लेकर भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, सीआरआर विशेष शिक्षा और दिव्यांग पुनर्वास से जुड़े पेशेवरों के लिए अनिवार्य पंजीकरण प्रमाणपत्र है, जो उन्हें इस क्षेत्र में कार्य करने की कानूनी मान्यता प्रदान करता है।

जुलाई में नियुक्ति पत्र देने की तैयारी, ई-अटेंडेंस पर भी सख्ती

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह ने बताया कि विभाग की कोशिश जुलाई के भीतर ही नियुक्ति पत्र जारी करने की है ताकि नए शिक्षक चालू शिक्षण सत्र में स्कूलों में कार्यभार संभाल सकें। उन्होंने कहा कि यदि किसी अभ्यर्थी की नियुक्ति किसी उचित

कारण से बाद में होती है तो उसकी वरिष्ठता पर असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने यह भी बताया कि विभाग के ई-अटेंडेंस सिस्टम में लगातार सुधार किया जा रहा है। यदि तकनीकी कारणों से उपस्थिति दर्ज नहीं हो रही है तो उसे ठीक किया जाएगा, लेकिन जानबूझकर ई-अटेंडेंस नहीं लगाने वाले कर्मचारियों के खिलाफ वेतन रोकने सहित दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अटैचमेंट वाले शिक्षकों को मूल पद पर लौटने के निर्देश

विभाग ने अटैचमेंट पर

कार्यरत शिक्षकों को भी मूल पदस्थापना स्थल पर लौटने के निर्देश दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भोपाल में 92 शिक्षक अटैचमेंट से मुक्त किए जा चुके हैं, जबकि अन्य जिलों में भी हजारों शिक्षक अभी अटैचमेंट पर हैं। शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के प्रावधानों का हवाला देते हुए विभाग ने स्पष्ट किया है कि शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में नहीं लगाया जाएगा। यदि कोई शिक्षक निर्देशों के बावजूद वापस नहीं लौटता है तो उसका वेतन रोका जाएगा। साथ ही ऐसे मामलों में संबंधित संकुल प्राचार्य के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

ईटखेड़ी अवैध उत्खनन मामला: भोपाल कलेक्टर के संकेत के बावजूद खनिज अधिकारी का इंकार, बोले- ‘लिखित आदेश मिला तो ही होगी तीसरी जांच’

कोबरा डॉट कोम । न्यूज

भोपाल। जिले के ईटखेड़ी क्षेत्र स्थित राताताल के रोजीवे गांव में अवैध उत्खनन का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। 15 एकड़ भूमि पर स्वीकृत खोदाई की आड़ में बड़े पैमाने पर कोपरा निकालकर बेचने के आरोपों के बीच जिला खनिज विभाग की जांच पर सवाल उठ रहे हैं।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा द्वारा तीसरी बार जांच के संकेत दिए जाने के बावजूद जिला खनिज अधिकारी ने लिखित निर्देश नहीं मिलने का हवाला देते हुए नई जांच कराने से इंकार कर दिया है।

600 डंपर कोपरा निकालने का आरोप

राताताल के रोजीवे गांव में 15 एकड़ जमीन पर 40 हजार घनमीटर खोदाई की अनुमति लेकर जमीन मालिक हरिचरण व कोपरा निकालने वाले शैलेंद्र भदौरिया और शेखर पंवार द्वारा करीब 600 डंपर कोपरा बाजार में बेचने का आरोप है। मामले में

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की फटकार के बाद जिला खनिज अधिकारी मेहताब सिंह रावत ने खनिज निरीक्षक सुचि माथुर से दो बार जांच कराई, लेकिन दोनों जांच रिपोर्टों पर सवाल उठने के बाद भी तीसरी जांच अब तक नहीं हो सकी है। डंपरों को नहीं पकड़ा जा सका।

जानकारी के अनुसार, पहली जांच में केवल अनुमति की शर्तों के उल्लंघन का उल्लेख किया गया और अवैध उत्खनन का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया। मौके पर मौजूद 12 डंपरों को भी जब्त नहीं किया गया। इसके बाद कलेक्टर की नाराजगी के चलते दूसरी बार जांच कराई गई, जिसमें 40 लाख 40 हजार रुपये की पेनाल्टी प्रस्तावित की गई। हालांकि फाइनल कलेक्टर के पास पहुंचने पर उन्होंने पेनाल्टी राशि कम बताते हुए मामले की दोबारा समीक्षा और तीसरी जांच के संकेत दिए।

बताया जा रहा है कि मामले में करीब डेढ़ करोड़ रुपये मूल्य के कोपरा के अवैध रूप से निकाले जाने की आशंका जताई जा रही है। इस संबंध में एसडीएम ने भी विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। दूसरी ओर,



जांच प्रतिवेदन को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं और आरोप लग रहे हैं कि जांच में अवैध उत्खनन की वास्तविक स्थिति को पूरी तरह सामने नहीं लाया गया।

एक साल पहले भी हुई थी बड़ी कार्रवाई

राताताल क्षेत्र में अवैध खनन का यह

पहला मामला नहीं है। करीब एक वर्ष पहले खनिज विभाग ने इसी क्षेत्र में अवैध उत्खनन करने वालों पर चार करोड़ 76 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। उस कार्रवाई के दौरान एक पोकलेन मशीन और नौ डंपर जब्त किए गए थे। कार्रवाई पुलिस ने की थी, जबकि खनिज विभाग को पहले से गतिविधियों की जानकारी

होने के आरोप लगे थे। उस मामले में शेखर पंवार, दशरथ यादव और जीवन सिंह राठौर को आरोपी बनाया गया था। इसी प्रकार हरिचरण के खेत पर भी नायब तहसीलदार की टीम ने अवैध उत्खनन पकड़ा था। इसके बावजूद खनिज निरीक्षक द्वारा प्रस्तुत दोनों जांच प्रतिवेदनों पर लीपापोती के आरोप लग रहे हैं।

देवास में किसान-फसल दोनों की अग्नि परीक्षा, चमत्कार की उम्मीद..

अभिभाषक संघ ने चेम्बर बिल्डिंग संचालन समिति का किया गठन, अतुल कुमार पंडया बने अध्यक्ष

कोबरा डॉट कोम । न्यूज़

देवास। देवास जिले में सप्ताहभर से इंद्र देवता रूठे हुए है। बारिश की खेंच से किसानों में निराशा छाने लगी है, किंतु कृषि अधिकारियों के अनुसार यदि एक सप्ताह भी देवास जिले में बारिश नहीं हुई तो फसल को कोई नुकसान नहीं होगा। वास्तविकता तो यही है कि यह सप्ताह जिले में किसानों तथा फसलों दोनों के लिए किसी अग्नि परीक्षा से कम नहीं, चमत्कार की ही उम्मीद लगाए हैं किसान बंधु। देवास जिले भर में 97 प्रतिशत बोवनी हो चुकी है। इस तरह अब तक 3 लाख 34 हजार 260 हेक्टेयर रकबे में बोवनी का कार्य पूर्ण हो चुका है और 95 फीसदी खेतों में सोयाबीन फसल लहलहा उठी है। जबकि 5 फीसदी खेतों में दोबारा या तीसरी बार बोवनी करना पड़ी है। इन किसानों की फसल को नुकसान होने की संभावना बढ़ गई है। गत वर्ष 20 जुलाई 2025 तक 283.72 एमएम वर्षा हुई थी, जबकि इस बार 16 जुलाई तक 455.44 एमएम वर्षा हो चुकी है। अर्थात गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष अधिक वर्षा हुई है, जिसका लाभ किसानों को



मिलेगा। जिले में खाद की किल्लत दिखाई नहीं दे रही है और किसानों को क्षमता के अनुसार खाद उपलब्ध हो चुका है। आगामी एक सप्ताह बाद भी बारिश नहीं हुई तो फिर किसानों के सामने संकट खड़ा हो सकता है। देवास जिले में कृषि विभाग में उप संचालक ज्ञानसिंह का कहना है कि किसानों को फिलहाल खरपतवार की दवाई भी नहीं छिड़कना चाहिए, क्योंकि तेज धूप के कारण इसका लाभ उन्हें नहीं मिलेगा।

देवास जिले में 3 लाख 34 हजार 260 हेक्टेयर रकबे में हुई बोवनी

गत वर्ष की तुलना में अभी तक दोगुनी बारिश हुई

खाद की जिले में फिलहाल कोई किल्लत नहीं

कोबरा डॉट कोम । न्यूज़

देवास। जिला अभिभाषक संघ देवास द्वारा चेम्बर धारकों की सुविधा एवं चेम्बर बिल्डिंग के सुव्यवस्थित संचालन के उद्देश्य से जिला अभिभाषक संघ देवास चेम्बर बिल्डिंग संचालन समिति का गठन किया गया है। समिति के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी अधिवक्ता अतुल कुमार पंडया को सौंपी गई है। संघ अध्यक्ष रामप्रसाद सूर्यवंशी एवं सचिव चंद्रपाल सिंह सोलंकी (छोटू) द्वारा चेम्बर धारकों की बैठक में संघ की कार्यकारिणी एवं चेम्बर धारकों की समिति का गठन किया गया। बैठक में पवन रत्न तिवारी को सचिव नियुक्त किया गया, जबकि आनंद अधिकारी, जयंत विपट, चंचल सोनी, योगेश कुमार, राजेश जायसवाल, मुकेश रोईवाल, इफान कुरैशी, श्वेतांक राज शुक्ला एवं विकास सूर्यवंशी को उपाध्यक्ष एवं समिति सदस्य के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई। अभिभाषक संघ के अनुसार, नवगठित समिति अब चेम्बर बिल्डिंग के निर्माण एवं रखरखाव, साफ-सफाई, अधिवक्ताओं से चेम्बर शुल्क संग्रहण तथा चेम्बरों के संचालन से जुड़े सभी कार्यों का दायित्व संभालेगी। साथ ही,



जिन चेम्बर धारकों ने चेम्बर आवंटित होने के बावजूद उनका उपयोग नहीं किया है, उनके आवंटन निरस्त करने संबंधी प्रस्ताव समिति कार्यकारिणी के अनुमोदन के लिए भेज सकेगी। संघ ने समिति को चेम्बर बिल्डिंग संचालन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आवश्यक निर्णय लेने के पूर्ण अधिकार प्रदान किए हैं तथा आश्वस्त किया है कि अभिभाषक संघ की कार्यकारिणी समिति को हर संभव सहयोग उपलब्ध कराएगी। इस अवसर पर अभिभाषक संघ उपाध्यक्ष विशाल तिवारी, कोषाध्यक्ष गीता शर्मा, सह सचिव अशोक कुमार गुजराती, पुस्तकालय सचिव विजय सोनी, सहित वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्ताओं कार्यकारिणी ने नवनियुक्त अध्यक्ष एवं समिति के सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

सड़क हादसे में महिला की मौत,पोती घायल

कोबरा डॉट कोम । न्यूज़

देवास। शहर के उज्जैन तिराहे पर शुक्रवार दोपहर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 50 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि उनकी पांच वर्षीय पोती घायल हो गई। इंदौर से देवास पहुंची दादी-पोती बस से उतर रही थीं, तभी दूसरी यात्री बस ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक बस छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने बस जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी है। हादसे में महिला का मोबाइल फोन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था, जिससे परिजनों से संपर्क करना मुश्किल हो गया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी अभिषेक यादव ने महिला के मोबाइल की सिम निकालकर अपने फोन में लगाई और संपर्क करने का प्रयास किया। घायल होने के बावजूद पांच

वर्षीय मरियम होश में थी। उसने अपने पिता का मोबाइल नंबर याद से बताया, जिसके आधार पर पुलिस ने परिजनों से संपर्क कर घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मार्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, इंदौर के सदर बाजार निवासी 50 वर्षीय निगार सुलताना अपनी पांच वर्षीय पोती मरियम के साथ बस से देवास आई थीं। शुक्रवार दोपहर उज्जैन तिराहे पर बस से उतरने के दौरान दूसरी यात्री बस की चपेट में आने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों ने तत्काल दोनों को बस के नीचे से निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने निगार सुलताना को मृत घोषित कर दिया, जबकि मरियम के पैर में चोट आई है और उसका उपचार जारी है।

जिला अस्पताल की इमरजेंसी में मरीज के परिजनों ने किया हंगामा,सुरक्षा गार्ड, डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ के साथ मारपीट

पुलिस से झूमाझटकी, दो आरोपी गिरफ्तार

कोबरा डॉट कोम । न्यूज़

देवास। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में शुक्रवार देर रात इलाज के दौरान मरीज के परिजनों ने ओपीडी पर्ची बनवाने की बात पर हंगामा कर दिया। आरोपियों ने सुरक्षा गार्ड, डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ के साथ मारपीट की तथा मौके पर पहुंची पुलिस से भी झूमाझटकी की। करीब 20 मिनट तक अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल रहा। डॉ. क्षितिज वर्मा ने बताया कि मरीज का इलाज तुरंत शुरू कर दिया गया था। केवल औपचारिक प्रक्रिया के तहत ओपीडी पर्ची बनवाने का अनुरोध किया गया था,



जिस पर परिजन भड़क गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अतिरिक्त बल की मदद से स्थिति को नियंत्रित किया। कोतवाली पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर रूप सिंह पिता पीरूलाल रांगोलिया, उम्र 31 वर्ष, निवासी चूना खदान, काकड़, बालगढ़, देवास और कालू उर्फ रोहित पिता तेजराम चौहान, उम्र 28 वर्ष, निवासी ग्राम बगोदा, थाना बेटमा, जिला इंदौर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक महिला आरोपी की तलाश जारी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मरीज के साथ आए कुछ लोग नशे की हालत में थे। शनिवार सुबह सीएमएचओ डॉ. सरोजनी जेम्स ने जिला अस्पताल का निरीक्षण कर इमरजेंसी में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और रात के समय अतिरिक्त सुरक्षा गार्ड तैनात करने के निर्देश दिए।

सतवास में जिला प्रशासन ने कार्रवाई कर 12 निजी स्कूलों की यूनिफॉर्म बेचने वाली कान्हा कलेक्शन दुकान को किया सील



कोबरा डॉट कोम । न्यूज़

देवास। निजी स्कूलों की यूनिफॉर्म को लेकर मिल रही शिकायतों पर शुक्रवार को जिला प्रशासन ने सतवास में बड़ी कार्रवाई करते हुए कान्हा कलेक्शन दुकान को सील किया है। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देश पर जिला परियोजना समन्वय अधिकारी अजय मिश्रा के नेतृत्व में शिक्षा विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। इस दौरान सतवास तहसीलदार अवधेश कुमार यादव और थाना प्रभारी दिलीप पुरी मौजूद रहे। टीम ने दुकान के साथ कुछ निजी स्कूलों का भी निरीक्षण किया। जांच के दौरान दुकानदार ने स्वीकार किया कि उसकी दुकान पर 12 निजी स्कूलों की यूनिफॉर्म उपलब्ध है, लेकिन वह ऐसे कोई अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका, जिनसे यह स्पष्ट हो सके कि वह इन स्कूलों की यूनिफॉर्म किस

आधार पर बेच रहा था। कलेक्टर द्वारा जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के उल्लंघन और यूनिफॉर्म बिक्री में एकाधिकार की शिकायत को देखते हुए प्रशासन ने दुकान को सील कर दिया। संयुक्त टीम ने निजी स्कूलों में यूनिफॉर्म और पुस्तकों की व्यवस्था की भी जांच की। डीपीसी अजय मिश्रा ने बताया कि पिछले कुछ समय से अभिभावकों की शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ निजी स्कूल एक ही दुकान से यूनिफॉर्म और किताबें खरीदने का दबाव बना रहे हैं, जिससे पालकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जिलेभर में जांच अभियान जारी रहेगा, जहां भी आदेश का उल्लंघन या अभिभावकों को किसी एक दुकान से यूनिफॉर्म अथवा किताबें खरीदने के लिए बाध्य किए जाने की शिकायत मिलेगी, वहां संबंधित निजी स्कूलों के खिलाफ एफआईआर सहित नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

देवास जिले के संपूर्ण क्षेत्र के लिए कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये

सार्वजनिक स्थानों पर धारदार या अन्य हथियार, आग्नेय शस्त्र, हॉकी, डण्डा, रॉड इत्यादि लेकर चलना प्रदर्शन करना प्रतिबंधित

सक्षम अधिकारी की अनुमति बिना टेंट, पांडाल आदि का स्थाई या अस्थाई निर्माण नहीं करेगा

कोबरा डॉट कोम । न्यूज़

देवास। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ऋतुराज सिंह ने आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए जन सामान्य के हित/जानमाल की सुरक्षा तथा लोकशांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163(1) (2) के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए देवास जिले के संपूर्ण क्षेत्र के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किये हैं।

जारी आदेश अनुसार कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या अन्य पक्ष सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार के धारदार या अन्य हथियार, आग्नेय शस्त्र, हॉकी, डण्डा, रॉड इत्यादि लेकर नहीं चलेगा अथवा दुरुपयोग नहीं करेगा और न ही प्रदर्शन करेगा। कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या अन्य पक्ष सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना किसी भी

स्थान पर सभा, धरना प्रदर्शन, जुलूस, रैली, सार्वजनिक कार्यक्रम आदि का आयोजन नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति संस्था, समूह या अन्य पक्ष सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना डी.जे./ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग नहीं करेगा। प्रत्येक को म.प्र. कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 तथा The Noise Pollution (Regulation and Control) Rule 2000 एवं ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) (संशोधन) नियम, 2010 के प्रावधानों का पूर्ण पालन करना आवश्यक होगा। कोई व्यक्ति संस्था, समूह या अन्य कोई भी धरना, जुलूस, प्रदर्शन, सभा या रैली आदि में एसड, पेट्रोल, केरोसिन आदि ज्वलनशील पदार्थ अपने पास नहीं रखेगा या लेकर नहीं चलेगा या उपयोग नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति संस्था समूह या अन्य किसी भी स्थान पर किसी भी प्रयोजन हेतु सक्षम अधिकारी की अनुमति बिना टेंट, पांडाल आदि का स्थाई या अस्थाई निर्माण नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या अन्य पक्ष किसी भी सड़क, रोड, रास्ता हाईवे, आदि पर एकत्रित होकर यातायात में व्यवधान नहीं करेंगे या किसी अन्य प्रकार से कोई रुकावट उत्पन्न नहीं करेंगे या किसी व्यक्ति को आने जाने एवं उसके कार्य करने से नहीं रोकेंगे। कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या ग्रुप एडमिन या अन्य सोशल मीडिया/इलेक्ट्रॉनिक संसाधन जैसे मोबाइल, कम्प्यूटर,

फेसबुक, ई-मेल, व्हाट्सएप एवं अन्य प्रकार के संचार साधनों पर किसी दल, धर्म, जाति, सम्प्रदाय, संस्था, व्यक्ति विरोधी एवं आमजन की भावना भड़काने वाले अथवा किसी को बुरा लगने या आहत करने वाले व कानून व्यवस्था की विपरीत स्थिति निर्मित करने वाले आपत्तिजनक मैसेज/चित्र/कमेंट/बैनर/पोस्टर आदि अपलोड नहीं करेगा/प्रदर्शित नहीं करेगा। जिले में शांति-कानून व्यवस्था तथा आमजन की सुरक्षा व सुविधा में संलग्न और शासकीय कर्तव्य पर उपस्थित एवं इयूटीरत पुलिसकर्मियों/पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों के लिए यह निर्देश लागू नहीं होंगे। कानून एवं शांति व्यवस्था बनाएं रखने हेतु इन्हें आवश्यक वैधानिक छूट प्राप्त होगी। आवश्यक होने पर जिले में पदस्थ अनुविभागीय दण्डाधिकारीगण अपने-अपने क्षेत्र में संबंधित नगर पुलिस अधीक्षक/अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) से परामर्श कर आवश्यक प्रतिबंध/शर्तों पर किसी कार्यक्रम की अनुमति प्रदान करने हेतु अधिकृत रहेंगे। उक्त आदेश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध की श्रेणी में आता है, अपने अनुभाग क्षेत्र में संबंधित एसडीएम/एसडीओ(पी) आदेश का पालन सुनिश्चित कराएं। यह आदेश 02 माह तक प्रभावशील रहेगा।

कुछ लोग किसी काम में अपना महत्वपूर्ण योगदान देकर उसे बेहतर अंजाम देते हैं। लेकिन इसका श्रेय लेने में संकोच करते हैं। नतीजा यह होता है, दूसरे उनके काम का श्रेय ले लेते हैं। अपने काम और मेहनत का श्रेय लेने से चूके नहीं। यह आपकी उन्नति के लिए जरूरी है।

अपने काम का श्रेय लेने में संकोच कैसा!

सलाह
मेघा राठी

अ कसर यह देखा जाता है कि कई लोग अपने काम, मेहनत और उपलब्धियों के बारे में बोलने से संकोच करते हैं। उन्हें लगता है कि यदि उनका काम अच्छा होगा तो लोग स्वयं तारीफ करेंगे, लेकिन वास्तविकता उलट है, हर बार ऐसा नहीं होता। आपकी मेहनत का श्रेय कोई और ले जाता है। आप केवल 'विनम्र' बनी रह जाती हैं। इस तरह विनम्र बने रहना सही नहीं है। कुछ स्थितियों में अपने काम का उचित श्रेय लेना जरूरी है, क्योंकि यह केवल

अहंकार की बात नहीं, आपके आत्मसम्मान, पहचान और भविष्य के अवसरों से जुड़ी बात है।

काम का श्रेय न लेने के दुष्प्रभाव: यदि आप अपने योगदान को स्पष्ट नहीं करती हैं, तो लोग आपके काम का महत्व समझ ही नहीं पाते। कार्यस्थल हो, परिवार हो या

सामाजिक जीवन, पहचान उसी की बनती है, जिसका योगदान दिखाई देता है। जब आप स्वयं अपने काम को नहीं बताएंगी, तब कई लोग आपके काम को अपना बताने लगते हैं। यह स्थिति मानसिक रूप से बहुत दुःख देती है, क्योंकि भीतर से आप जानती हैं कि मेहनत आपकी थी। लगातार अनदेखा किया जाना व्यक्ति के भीतर यह भावना पैदा कर



देता है कि शायद उसका काम महत्वपूर्ण ही नहीं है। इससे आत्मविश्वास प्रभावित होता है, व्यक्ति अपनी क्षमता पर संदेह करने लगता है। काम की दुनिया में अवसर उसी को मिलते हैं, जिसकी

उपलब्धियां सामने आती हैं। यदि आपकी मेहनत लोगों तक पहुंचेगी ही नहीं तो नई जिम्मेदारियां, पदोन्नति या सम्मान कैसे मिलेगा, ये किसी और को मिल सकते हैं।

अपने काम का श्रेय लेना अहंकार नहीं: कई लोग श्रेय मांगने को अहंकार समझते हैं, जबकि दोनों में अंतर है। अहंकार वह है, जहां व्यक्ति दूसरों को छोटा दिखाकर स्वयं को बड़ा साबित करे। लेकिन अपने काम का उचित उल्लेख करना अपना आत्मसम्मान है। यदि आपने मेहनत की है, जिम्मेदारी निभाई है, किसी कार्य को सफल बनाया है तो यह

बताना गलत नहीं कि उसमें आपका योगदान क्या था।
श्रेय लेने का सही तरीका क्या हो: सवाल यह है आप अपने काम का श्रेय कैसे लें? इसके लिए यह जरूरी नहीं है कि हर समय स्वयं की प्रशंसा करें। आप आवश्यकता पड़ने पर अपने योगदान को स्पष्ट और संतुलित तरीके से रखें। इसके लिए शांत और तथ्यात्मक भाषा का प्रयोग करें। दूसरों के योगदान को भी सम्मान दें। अपनी मेहनत को कम करके न दिखाएं। जहां जरूरी हो, वहां स्पष्ट रूप से कहें, 'इस कार्य में मेरा यह योगदान था।' यह ना भूलें कि अपने काम का श्रेय लेने का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जब आप अपनी मेहनत को स्वीकारती हैं, तब भीतर आत्मविश्वास बढ़ता है। आपको महसूस होता है कि आपकी पहचान केवल दूसरों की स्वीकृति पर निर्भर नहीं है। आपको अपनी योग्यता पर यकीन होता है। जब लोगों को आपके योगदान का पता होता है, तब वे आपको नई जिम्मेदारियों और अवसरों के लिए योग्य मानते हैं।



चुप रहना क्यों गलत है

बहुत से लोग यह सोचकर अपने योगदान का उल्लेख नहीं करते कि कहीं लोग उन्हें घमंडी न समझ लें। जबकि वे टीम में सबसे अधिक मेहनत करते हैं, दूसरों की मदद करते हैं, जिम्मेदारियां निभाते हैं, लेकिन जब परिणाम सामने आते हैं तब उनका कहीं नाम नहीं होता। धीरे-धीरे ऐसे होते रहना दूसरों के लिए सुविधा बन जाती है। लोग मान लेते हैं कि आप बिना पहचान चाहे भी काम करती रहेंगी। परिणाम यह होता है, आपकी मेहनत को कोई सम्मान नहीं मिलता और किसी दूसरे को अधिक योग्य समझा जाने लगता है।

20 से 26 जुलाई तक के सप्ताह का साप्ताहिक राशिफल

जय श्री राम

वर्तमान युग के जागृत देवता हमारे श्री हनुमान जी के बारे में कहा जाता है कि उनका प्रताप चारों युग अर्थात सतयुग त्रेतायुग द्वापरयुग और कलयुग में फैला हुआ है। श्री हनुमान जी के प्रताप से हर तरफ उजाला हो रहा है। उनकी कीर्ति समस्त ब्रह्मांड में फैली हुई है। उनको स्मरण करने का सबसे अच्छा उपाय श्री हनुमान चालीसा का पाठ होता है। आज की श्री हनुमान चालीसा की चौपाई है:-

चारों जुग परताप तुम्हारा। है परसिद्ध जगत उजियारा।। इस चौपाई के संपुट पाठ करने से जातक के सभी मनोरथ सिद्ध होंगे और उसकी कीर्ति हर तरफ फैलेगी। नाशे रोग हरे सब पीरा नाम की पुस्तक में श्रीहनुमान चालीसा की चौपाइयों से संबंधित सभी उपायों का विस्तृत विवरण दिया हुआ है। इस पुस्तक को आप हमारे यहां से प्राप्त कर सकते हैं। इस सप्ताह सूर्य और गुरु कर्क राशि में, मंगल वृष राशि में, शनि मीन राशि में, शुक सिंह राशि में और राहु कुंभ राशि में गोचर करेंगे। प्रारंभ में मिथुन राशि में वक्री रहेगा तथा 24 तारीख के 1:36 बजे दिन से मिथुन राशि में मार्गी हो जाएगा। आईये अब हम राशिवार राशिफल की चर्चा करते हैं।

मेष राशि

इस सप्ताह आपके सामाजिक प्रतिष्ठा में काफी वृद्धि होगी। जनप्रतिनिधियों के लिए सप्ताह बहुत अच्छा रहेगा। कर्मचारी और अधिकारियों को इस सप्ताह थोड़ा सावधान रहकर अपने कार्यों का निष्पादन करना चाहिए। कचहरी के कार्यों में आपको सावधान रहना चाहिए, जिससे आपको कोई नुकसान ना हो सके। इस सप्ताह आपको अपने संतान से सहयोग कम मिलेगा। भाग्य से आपको थोड़ा बहुत लाभ होगा। दुर्घटनाओं से आपको इस सप्ताह डरने की आवश्यकता नहीं है। इस सप्ताह आपके लिए 21 तारीख के दोपहर के बाद से लेकर 22 और 23 तारीख विभिन्न कार्यों में सफलता दायक है। सप्ताह के बाकी दिनों में आपको सावधान रहकर के अपने कार्यों को संपन्न करना चाहिए। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन लाल मसूर की दाल का दान करें और मंगलवार को हनुमान जी के मंदिर में जाकर हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ करें। सप्ताह का शुभ दिन बृहस्पतिवार है।

वृष राशि

इस सप्ताह आपका अपने भाई बहनों से बहुत अच्छा संबंध रहेगा। भाई बहनों से आपको अच्छा सहयोग भी प्राप्त होगा। इस सप्ताह आपके

प्रतिष्ठा में थोड़ी वृद्धि होने की संभावना है। दुर्घटनाओं से इस सप्ताह आपको डरने की आवश्यकता नहीं है। शत्रुओं से आपको सावधान रहना चाहिए। अधिकारी एवं कर्मचारियों को अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना चाहिए। इस सप्ताह आपके लिए 24 और 25 तारीख सफलता प्राप्त करने के लिए उपयोगी हैं। 21 की दोपहर के बाद से लेकर 22, 23 और 26 तारीख को आपको सावधान रहकर अपने कार्यों को पूर्ण करना चाहिए। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन चावल का दान करें और शुक्रवार को मंदिर में जाकर पुजारी जी को सफेद वस्त्रों का दान दें। सप्ताह का शुभ दिन शुक्रवार है।

मिथुन राशि

इस सप्ताह आपके पास धन आने का अच्छा योग है। आपकी कुंडली के गोचर में इस सप्ताह धन भाव में सूर्य और गुरु एक साथ वियजमान हैं। इस प्रकार आपको अपनी विद्या और राज्य की मदद से धन प्राप्त होगा। भाई बहनों के साथ संबंध थोड़े कम अच्छे रहेंगे। भाग्य से आपको ज्यादा मदद नहीं मिलेगी। कचहरी के मामलों में आपको सावधान रहना चाहिए। इस सप्ताह में आप शत्रुओं को आसानी से पराजित कर सकते हैं। इस सप्ताह आपके लिए 20-21 और 26 तारीख विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए मददगार हैं। शत्रु को पराजित करने में 24 और 25 तारीख विशेष रूप से मददगार है। सप्ताह के बाकी दिन ठीक-ठाक हैं। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन काले कुत्ते को तंदूर की रोटी खिलाएं। सप्ताह का शुभ दिन रविवार है।

कर्क राशि

इस सप्ताह आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। आपके अंदर अच्छे-अच्छे विचार आएंगे। आपको संतान से सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुओं को आप थोड़े प्रयास से ही पराजित कर सकते हैं। भाग्य से आपको मामूली मदद प्राप्त हो सकती है। कर्मचारी और अधिकारियों के लिए यह सप्ताह सामान्य है, अर्थात जैसा चल रहा था वैसा ही रहेगा। भाई बहनों के साथ संबंध थोड़े खराब हो सकते हैं। इस सप्ताह आपके लिए 21-22 और 23 तारीख विभिन्न प्रकार से लाभदायक है। 24 और 25 तारीख को छात्रों के लिए परीक्षा देना बहुत अच्छा रहेगा। सप्ताह के बाकी दिन भी ठीक-ठाक हैं। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन काले उड़द की दाल का दान करें और शनिवार को शनि मंदिर में जाकर शनि देव का पूजन करें। सप्ताह का शुभ दिन बुधवार है।

सिंह राशि

यह सप्ताह विवाहित जातकों के लिए उत्तम है। उनके विवाह के अच्छे प्रस्ताव आएंगे। प्रेम संबंधों में वृद्धि होगी। नए-नए प्रेम



साप्ताहिक राशिफल

संबंध बन सकते हैं। कचहरी के कार्यों में प्रयास करने पर सफलता मिल सकती है। व्यापार ठीक चलेगा। व्यापारियों को धन लाभ भी होगा। कर्मचारी और अधिकारियों को इस सप्ताह थोड़ा सतर्क रहकर कार्य करना चाहिए। जनता में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। संतान से आपको मदद प्राप्त होगी। इस सप्ताह आपके लिए 24 और 25 तारीख प्रतिष्ठा वृद्धि के लिए मददगार है। सप्ताह के बाकी दिन भी कार्यों के करने के लिए ठीक-ठाक हैं। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें और शनिवार को दक्षिण मुखी हनुमान जी के मंदिर में जाकर कम से कम तीन बार हनुमान चालीसा का पाठ करें। सप्ताह का शुभ दिन रविवार है।

कन्या राशि

इस सप्ताह आपके पास धन आने का अच्छा योग है। आपके थोड़े से प्रयासों से ही आपके पास अच्छी मात्रा में धन आ सकता है। व्यापारियों का व्यापार उत्तम चलेगा। इस सप्ताह आपको अपने संतान से मदद नहीं मिल पाएगी। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में अच्छे मार्क मिलने की उम्मीद कम है। शत्रु शांत रहेंगे परंतु समाप्त नहीं होंगे। भाग्य के स्थान पर इस सप्ताह आपको कर्म पर विश्वास करना चाहिए। इस सप्ताह आपके लिए 20-21 और 26 तारीख फलदायक है। सप्ताह के बाकी दिन भी ठीक-ठाक हैं। 24 और 25 तारीख को आपका अपने भाइयों के साथ अच्छा संबंध बनेगा। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन रुद्राष्टक का पाठ करें। सप्ताह का शुभ दिन रविवार है।

तुला राशि

अधिकारी एवं कर्मचारियों के लिए यह सप्ताह काफी अच्छा रहेगा। आपको अपने कार्यालय में उचित सम्मान मिलेगा। नौकरी के लिए अगर आप परीक्षा दे रहे हैं तो उसे प्रतियोगिता में आप सफल हो सकते हैं। इस सप्ताह आपको भाग्य से मदद मिल सकती है। धन आने का

सामान्य योग है। भाई बहनों के साथ संबंध पहले जैसे ही रहेंगे। दुर्घटनाओं से आपको इस सप्ताह सावधान रहना चाहिए। आपके शत्रु शांत रहेंगे परंतु समाप्त नहीं होंगे। इस सप्ताह आपके लिए 21 की दोपहर के बाद से लेकर 22 और 23 तारीख कार्यों को संपन्न करने में फलदायक है। 20 और 21 की दोपहर तक का समय कार्यों को करने के लिए कम उचित है। 24 और 25 तारीख को धन प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन गणेश अथर्वशीर्ष का पाठ करें। सप्ताह का शुभ दिन बुधवार है।

वृश्चिक राशि

इस सप्ताह भाग्य आपका भरपूर साथ देगा। भाग्य के कारण आपके कई कार्य निपटा सकते हैं। आपके जो कार्य भाग्य के कारण रुक रहे हो उनको करने का प्रयास करें। सफल होंगे। इस सप्ताह आपको अपने संतान से बहुत कम सहयोग प्राप्त होगा। कर्मचारी एवं अधिकारियों को इस सप्ताह सावधान रहना चाहिए। इस सप्ताह आपके लिए 24 और 25 तारीख कार्यों को करने हेतु लाभप्रद है। 21, 22 और 23 तारीख को आपको सावधान रहना चाहिए। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन शिव पंचाक्षरी मंत्र का जाप करें। सप्ताह का शुभ दिन रविवार है।

धनु राशि

इस सप्ताह आपका और आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य ठीक रहेगा। आप अपने शत्रुओं को कम प्रयास में ही पराजित कर सकते हैं। कर्मचारी और अधिकारियों के लिए यह सप्ताह सामान्य है अर्थात जैसे पहले से चल रहा था वैसा ही रहेगा। जनप्रतिनिधियों के लिए भी यह सप्ताह सामान्य रहेगा। व्यापारियों के लिए यह सप्ताह ठीक-ठाक रहेगा। भाई और बहनों के साथ आपके संबंधों में थोड़ा सा तनाव आ सकता है। भाग्य से इस सप्ताह आपको मदद बहुत कम मिलेगी। इस सप्ताह आपके लिए 20, 21 और 26 तारीख विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए परिणाम मूलक है। 24 और 25 तारीख को आपको कचहरी के कार्यों के प्रति बहुत सतर्क रहना चाहिए। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन शिव पंचाक्षरी स्त्रोत का पाठ करें। सप्ताह का शुभ दिन रविवार है।

मकर राशि

यह सप्ताह आपके जीवनसाथी के लिए बहुत अच्छा रहेगा। आपको अपने हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी। अविवाहित जातकों के लिए विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं। इस सप्ताह आपको अपने संतान से विशेष सहयोग प्राप्त नहीं हो पाएगा। मामूली धन आने का योग है

। इस सप्ताह आपके लिए 21, 22 और 23 तारीख विभिन्न कार्यों को करने हेतु अनुकूल है। 24 और 25 तारीख को आपको धन की प्राप्ति हो सकती है। 26 तारीख को आपको सावधान रहना चाहिए। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन भगवान शिव का दूध और जल से अभिषेक करें। सप्ताह का शुभ दिन बुधवार है।

कुंभ राशि

यह सप्ताह अविवाहित जातकों के लिए अच्छा है। उनके विवाह के नए-नए प्रस्ताव आएंगे। परंतु इन प्रस्ताव को फाइनल करने में सावधानी बरतना चाहिए। अधिकारी एवं कर्मचारियों के लिए यह सप्ताह ठीक-ठाक है। इस सप्ताह आपको अपने प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहना चाहिए। इस सप्ताह आपके लिए 24 और 25 तारीख विभिन्न प्रकार के कार्यों हेतु ठीक-ठाक है। 20 और 21 तारीख को आपको सजग रहना चाहिए। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन गायत्री मंत्र का जाप करें। सप्ताह का शुभ दिन शनिवार है।

मीन राशि

यह सप्ताह आपके संतान के लिए उत्तम रहेगा। छात्रों की पढ़ाई अच्छी चलेगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है। धन आने का योग है। इस सप्ताह आपका और आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य पहले जैसा ही रहेगा। 24 और 25 तारीख को भाग्य आपका विशेष रूप से साथ दे सकता है। इस सप्ताह आपके लिए 20 और 26 तारीख विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए उपयुक्त है। 21 तारीख को दोपहर के बाद से लेकर 22 और 23 तारीख को आपको होशियारी से कार्यों को करना चाहिए। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन राम रक्षा स्त्रोत का पाठ करें। सप्ताह का शुभ दिन रविवार है।

वीकली राशिफल

(मेधावी विद्यार्थियों के लिए जिला प्रशासन की अनूठी पहल)
मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगी जेईई-नीट की निःशुल्क कोचिंग,
तैयारी के लिए स्टडी मटेरियल का किया वितरण

टॉप में आने का लक्ष्य रखें, सोशल मीडिया छोड़ें रोजाना 10 घंटे करें सेल्फ स्टडी – कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह
कलेक्टर श्री सिंह ने कोचिंग से एक कदम आगे रहकर स्ट्रेटजी बनाने की दी सलाह

कोबरा डॉट कॉम । न्यूज़

जिला प्रशासन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में एक अनूठी और अनुकरणीय पहल की शुरुआत की गई है। इसके तहत कक्षा 10वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले जिले के मेधावी विद्यार्थियों को देश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान ‘फिजिक्स वाला फाउंडेशन’ के सहयोग से निःशुल्क जेईई और नीट की तैयारी कराई जा रही है। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह की उपस्थिति में खेडापति होटल में कार्यक्रम का आयोजन कर कक्षा 10वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 136 मेधावी छात्र-छात्राओं को जेईई और नीट की तैयारी के लिए निःशुल्क स्टडी मटेरियल का वितरण किया गया। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए जिला प्रशासन और फिजिक्स वाला फाउंडेशन द्वारा अत्याधुनिक सुविधाएं दी जा रही हैं। छात्रों को नियमित ऑनलाइन लाइव क्लासेस के साथ-साथ रिकॉर्डेड लेक्चर्स की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे बच्चे अपनी सुविधानुसार कभी भी कठिन विषयों को दोबारा समझ सकेंगे और उनका रिवीजन कर सकेंगे।

कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनका हौसला बढ़ाते हुए कहा कि जिले की प्रतिभाओं को संसाधनों की कमी के कारण पीछे नहीं रहने दिया जाएगा। यह पहल ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के होनहार बच्चों के सपनों को उड़ान देने का काम करेगी। जिला प्रशासन इन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और बेहतर परिणाम के लिए हर संभव मदद उपलब्ध कराता रहेगा। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने कहा कि यह सब आपकी कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। जब आप सच्चे मन से परिश्रम करते हैं, तो बिना मांगे ही कोई न कोई माध्यम आपकी सहायता के लिए आगे आ जाता है। आप सभी अत्यधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थी हैं, इसीलिए आपके लिए इस ऑनलाइन निःशुल्क कोचिंग की विशेष व्यवस्था की गई है। यह आप सभी के लिए एक बेहतरीन अवसर है, आप सभी को इसका पूरा लाभ उठाना चाहिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए जागरूक करते हुए कहा कि यदि आप नीट और जेईई के माध्यम से देश के टॉप कॉलेजों में जाने की इच्छा रखते हैं, तो



आपको सामान्य से बहुत अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। टॉप कॉलेजों में सीट पाने के लिए ऑल इंडिया लेवल पर कड़ा कंपटीशन है। आपका परफॉर्मेंस भी उसी ऊंचे स्तर का होना चाहिए। आपको इसी राष्ट्रीय मापदंड और पैमाने को ध्यान में रखकर दिन-रात पढ़ाई करनी होगी।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि यह 2 साल आपके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण फेज है, जो आपका पूरा भविष्य निर्धारित करेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से ऑल इंडिया लेवल पर टॉप 5000 रैंक में आने का लक्ष्य रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश में लाखों बच्चे जेईई और नीट की परीक्षा देते हैं। आपका प्रयास देश के शीर्ष आईआईटी और एम्स जैसे संस्थानों में जाने का होना चाहिए। इन प्रतिष्ठित संस्थानों से पढ़ाई पूरी करने के बाद विद्यार्थी नाम मात्र की फीस देकर बड़ी-बड़ी ग्लोबल कंपनियों में जाते हैं। इससे न केवल आपका बल्कि आपके पूरे परिवार का सामाजिक और आर्थिक स्तर हमेशा के लिए बदल जाएगा।

कलेक्टर ने कहा कि कोचिंग में जो चैप्टर पढ़ाया जाने वाला हो, उसे छात्र एक बार खुद पहले से पढ़कर जाएं। अगर आप 10 से 20 प्रतिशत चैप्टर पहले खुद समझ लेंगे, तो कोचिंग में पढ़ते समय आपको 80 से 90 प्रतिशत चीजें तुरंत समझ में आ जाएंगी। देश के टॉप कॉलेजों में जगह बनाने के लिए केवल कोचिंग पर निर्भर न रहें। प्रतिदिन कम से कम 10 घंटे की कड़ी सेल्फ स्टडी को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। अगले 2 साल के लिए अपनी एकाग्रता बनाए रखने के लिए हर प्रकार के सोशल नेटवर्क से पूरी तरह बाहर रहने की कोशिश करें। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि बड़े शहरों के बच्चों के पास संसाधन अधिक हैं और हर जिले में आपके जैसे ही होनहार छात्र तैयारी कर रहे हैं। आपका असली कंपटीशन उन बड़े शहरों के बच्चों के साथ है। इसलिए आपको अपनी बुद्धिमत्ता और ज्ञान के स्तर को लगातार बढ़ाना होगा और बहुत अधिक मेहनत करनी होगी। उन्होंने छात्रों को निरंतरता का महत्व समझाते हुए सचेत किया कि अगर आप पढ़ाई में एक बार पीछे छूट गए, तो वापस कवर करना बहुत मुश्किल हो जाता है। उन्होंने सभी मेधावी छात्रों को हर साप्ताहिक और मासिक टेस्ट में अनिवार्य रूप से शामिल होने और उसमें सर्वश्रेष्ठ परफॉर्म करने के लिए कहा।

कलेक्टर श्री सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित ‘फिजिक्स वाला’ के शिक्षकों को से कहा कि वे



बच्चों को पूरी लगन से पढ़ाएं और हर एक बच्चे की प्रोग्रेस पर विशेष फोकस व ध्यान दें। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा स्वयं हर महीने समीक्षा की जायेगी। कलेक्टर श्री सिंह ने छात्रों को इस अवसर की कीमत समझाते हुए कहा कि आज देश भर में लाखों बच्चे इन परीक्षाओं की तैयारी के लिए भारी-भरकम फीस और लाखों रुपए खर्च करते हैं। आपको यह विश्वस्तरीय अपॉर्चुनिटी आपके घर बैठे बिल्कुल निःशुल्क मिल रही है। यह मौका सबको नहीं मिलता, इसलिए इस विशेष सुविधा का पूरा लाभ उठाएं, पूरी ताकत झोंक दें और अपना भविष्य उज्ज्वल बनाएं।

इस अवसर पर ‘फिजिक्स वाला’ संस्थान के प्रतिनिधि श्री रचित त्रिपाठी ने छात्रों को डिजिटल लर्निंग का पूरा ढांचा समझाया। उन्होंने जानकारी दी कि क्लासेस किस प्रकार संचालित की जाएंगी। छात्र मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से लाइव क्लासेस से कैसे जुड़ेंगे, टेस्ट कैसे देंगे और स्टडी मटेरियल का उपयोग कैसे करेंगे, इसकी पूरी ट्रेनिंग दी गई। उन्होंने बताया कि छात्रों को नियमित ऑनलाइन लाइव क्लास के साथ-साथ रिकॉर्डेड लेक्चर्स की सुविधा भी मिलेगी, जिससे वे किसी भी टॉपिक का कभी भी रिवीजन कर सकेंगे। कार्यक्रम में जिले की होनहार छात्राओं ने भी अपने अनुभव साझा किए और इस पहल को आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए मददगार बताया। 10वीं कक्षा में 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मध्य प्रदेश की प्रावीण्य सूची में 10वां स्थान पाने वाली उत्कृष्ट विद्यालय देवास की छात्रा पलक नामदेव ने बताया कि बिना किसी कोचिंग के केवल नियमित स्कूल जाकर और सेल्फ स्टडी से यह मुकाम हासिल किया है। हर बच्चा बड़ी कोचिंग की फीस अफोर्ड नहीं कर सकता। जिला प्रशासन की इस निःशुल्क कोचिंग सुविधा से हम जैसे बच्चों को आगे बढ़ने में बहुत बड़ी हेल्प मिलेगी। कक्षा 10वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाली खातेगांव उत्कृष्ट स्कूल की छात्रा ऊषा जायसवाल ने कहा, लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक सटीक स्टडी स्ट्रेटजी बनानी पड़ेगी। हम सभी के परिवारों में आर्थिक दिक्कतें होती हैं, जिसके कारण हर कोई बड़ी कोचिंग क्लासेस की फीस नहीं दे सकता। हमें घर बैठे इतनी बड़ी सुविधा देने के लिए जिला प्रशासन का बहुत-बहुत धन्यवाद। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी राजेश सूर्यवंशी सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

“खिलौने आधारित शिक्षण” के लिए
“Do-It-Yourself” कार्यशाला का आयोजन हुआ



कोबरा डॉट कॉम । न्यूज़

देवास। महिला बाल विकास विभाग द्वारा देवास शहरी परियोजना के सभाकक्ष में ‘‘खिलौने आधारित शिक्षण’’ के लिए ‘‘Do-It-Yourself’’ कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बताया कि कार्यशाला मुख्य उद्देश्य कबाड़ से जुगाड़ और स्थानीय सामग्री का उपयोग करके कम लागत वाले शैक्षिक खिलौने बनाना है, जिससे पढ़ाई को खेल-खेल में रोचक और आसान बनाया जा सके। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर द्वारा बताया गया कि घर और आंगनवाड़ी में आसानी से मिलने वाली बेकार वस्तुओं (जैसे- गत्ता, बेकार

कागज, पुरानी लकड़ी, और बीजों) का उपयोग करके आकर्षक और उपयोगी खिलौने बनाना है। बच्चों में रचनात्मकता, तार्किक सोच और व्यावहारिक ज्ञान का विकास करना है। गणित, विज्ञान और भाषा जैसे कठिन विषयों को खिलौनों के माध्यम से सरल किया जा सकता है। खिलौना परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को भी इससे बढ़ावा मिलेगा। कार्यशाला में पर्यवेक्षक एवं विभागीय अमला उपस्थित रहा। कार्यशाला में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री साबीर अहमद सिद्दीकी, परियोजना अधिकारी श्री मोहनलाल अहिरवार, पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित थीं।

देवास नगर पालिक निगम में
एल्डरमैन की नियुक्ति



कोबरा डॉट कॉम । न्यूज़

देवास नगर पालिक निगम में नए एल्डरमैन नियुक्त किए गए हैं-
राजेश यादव
अर्जुन चौधरी

प्रिया शर्मा
चेतन योगी
हरीश देवलिया
दिनेश सांखला
संतोष वर्मा
सचिन सोनी

देवास में निकली भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य रथ यात्रा, हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

कोबरा डॉट कॉम । न्यूज़

देवास। अखिल भारतीय चंद्रवंशी क्षत्रिय खाती समाज के तत्वावधान में भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य रथ यात्रा गुरुवार को पूरे धार्मिक उल्लास, श्रद्धा एवं भक्ति के साथ निकाली गई। यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं, समाजजनों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रथ यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली, जहां विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों द्वारा पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया।

रथ यात्रा में मध्य प्रदेश सरकार के राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी तथा हाटपीपल्या विधायक श्री मनोज चौधरी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष चौधरी अखिल भारतीय चंद्रवंशी खटीक समाज ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर चौधरी बहादुर मुकाती, नारायण सिंह चौधरी, विक्रम मुकाती, विशेष रूप से शामिल हुए। अतिथियों ने भगवान श्री जगन्नाथ जी की पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।



इस अवसर पर अखिल भारतीय चंद्रवंशी क्षत्रिय खाती समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष लडुमल चौधरी, राष्ट्रीय महामंत्री धर्मेन्द्र चौधरी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डालचन

कलमोदिया, जिला अध्यक्ष अशोक वर्मा, युवा संगठन देवास जिला अध्यक्ष रोहित देथलिया, युवा संगठन जिला अध्यक्ष राहुल गरीब किसान, प्रदीप चौधरी,

मनोहर लाल मंडलोई, अशोक पटेल (चंदाना), सतीश चौधरी राजोदा विजेंद्र पटेल (गोरवा), राजू अकेला, संदीप चौधरी (राजोदा), शिवम चौधरी, गोपाल

मुकाती, डॉ. कमल पटेल, सुरेश धनोरा, गोपाल धनोरा, गणेश पटेल (पार्षद), अर्जुन चौधरी, मुकेश कामदार, राजन पटेल (बालाजी), मनोज पटेल, रंजू चौधरी, बलराम पटेल (मिर्जापुर), डॉ. विष्णु (सरपंच), गिरीश पटेल, राजेंद्र पटेल (भंवरा), मुकेश साहब, नरेंद्र साहब, शेखर चोटी, प्रकाश पटेल, सोहन पटेल, सुदेश पटेल (सरपंच) तथा अश्विन पटेल (सरपंच, नरियाखेड़ा) सहित बड़ी संख्या में समाजजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। यात्रा के दौरान शहरभर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। जगह-जगह श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, प्रसाद एवं स्वागत की व्यवस्था की गई। व्यापारी बंधुओं एवं समाज के सभी वर्गों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाते हुए रथ यात्रा को ऐतिहासिक एवं सफल बनाया। कार्यक्रम के अंत में अखिल भारतीय चंद्रवंशी क्षत्रिय खाती समाज ने सभी अतिथियों, समाजजनों, व्यापारी बंधुओं, प्रशासन, पुलिस एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ जी की कृपा से समाज में एकता, सद्भाव और सेवा की भावना निरंतर बनी रहे।

जम्मू-कश्मीर में बारिश बनी आफत: गांदरबल में फटा बादल, कारगिल में फ्लैश फ्लड का कहर; कई घर व खेती को नुकसान

कोबर डॉट कॉम । न्यूज

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश ने कई इलाकों में भारी तबाही मचाई है। सोमवार को गांदरबल जिले के सफापोरा स्थित शेख मोहल्ला में बादल फटने की घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। वहीं कारगिल में आए फ्लैश फ्लड ने बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया है। कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जबकि कृषि भूमि और बाग-बगीचों को भी भारी नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार सफापोरा के शेख मोहल्ला में अचानक बादल फटने के बाद तेज बहाव के साथ पानी और मलबा रिहायशी इलाके में घुस गया। इससे स्थानीय संपत्तियों को नुकसान पहुंचा और लोगों का सामान्य जनजीवन प्रभावित हो गया। घटना के बाद प्रशासन ने हालात का जायजा लेना शुरू कर दिया है। स्थानीय लोगों ने प्रभावित परिवारों को जल्द राहत उपलब्ध कराने और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे को शीघ्र बहाल करने की मांग की है। उधर, कारगिल में फ्लैश फ्लड ने कई इलाकों में



तबाही मचाई है। बाढ़ के तेज बहाव से कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए जबकि बड़ी मात्रा में कृषि भूमि, खेत और बाग-बगीचे प्रभावित हुए हैं। तेज पानी के बहाव में बड़ी संख्या में पेड़ भी उखड़कर बह गए, जिससे पर्यावरण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंचा है।

कृषि पर निर्भर कई परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। फसलों

और खेती योग्य जमीन को हुए नुकसान से किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। प्रभावित लोग अब अपने घरों और खेतों को दोबारा व्यवस्थित करने की चुनौती का सामना कर रहे हैं। प्रशासन और राहत एजेंसियां प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कर नुकसान का आकलन कर रही हैं। साथ ही, प्रभावित परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाने और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास जारी हैं।

मार्च से पहले जंतर-मंतर पर धक्कामुक्की और लाठीचार्ज; सौरव दास बोले-बातचीत चल रही है



कोबर डॉट कॉम । न्यूज

नई दिल्ली। जंतर मंतर धरना स्थल पर लगातार समर्थक पहुंच रहे हैं। सोमवार को जब CJP एक्टिविस्ट संसद तक विरोध मार्च निकालने की कोशिश कर रहे थे, तब 'कांक्रोच जनता पार्टी' के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास को डिप्टी कमिशनर के ऑफिस ले जाया गया। उन्होंने बताया कि अधिकारियों और उनके बीच बातचीत चल रही है। इस घटनाक्रम के बारे में पूछे जाने पर दास ने ANI को बताया, "हम (सरकार के साथ) बातचीत कर रहे हैं।" यह घटनाक्रम तब हुआ जब पुलिस ने संसद भवन की ओर मार्च करने की कोशिश कर रहे सैकड़ों प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का लाठीचार्ज किया। जंतर-मंतर से शुरू हुए इस प्रदर्शन के कारण राष्ट्रीय राजधानी में ट्रैफिक में काफी रुकावट आई, क्योंकि बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे।

सरदार पटेल भवन के पास प्रदर्शनकारी सरकार विरोधी नारेबाजी कर रहे हैं। संसद की ओर बसें और

बैरिकेडिंग लगाकर पुलिस ने रास्ता बंद किया हुआ है। प्रदर्शन स्थल पर बड़ी संख्या में लगातार लोग आ रहे हैं।

जंतर-मंतर पहुंचने पर AAP नेता गोपाल राय ने कहा, "देश भर से छात्र और युवा जंतर-मंतर पहुंचे हैं। सभी की एक ही चिंता है। शिक्षा मंत्री देश के लाखों छात्रों और युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेल रहे हैं, इसलिए उन्हें इस्तीफा देना चाहिए; लोग उन्हें हटाने की मांग कर रहे हैं। सरकार ने जबरदस्ती वांगचुक की भूख हड़ताल खत्म करवा दी, जिससे लोगों में गुस्सा है। लोग आज इस मांग के साथ यहाँ जमा हुए हैं कि शिक्षा मंत्री को हटाया जाए और देश के छात्रों और युवाओं का भविष्य सुरक्षित किया जाए।" आजाद समाज पार्टी-कांशीराम के अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर आजाद और TMC सांसद महुआ मोइत्रा CJP के विरोध मार्च वाली जगह पर पहुंचे। जंतर-मंतर पर CJP के विरोध मार्च के लिए इकट्ठा हुए प्रदर्शनकारियों की RPF कर्मियों से झड़प हो गई; भीड़ को काबू करने के लिए RPF कर्मियों और पुलिस ने लाठियों का इस्तेमाल किया।

‘भारतीय नौसेना की बढ़ती ताकत पश्चिमी देशों के लिए गेमचेंजर’, इजरायली एक्सपर्ट ने बताया ‘लाइफलाइन’

कोबर डॉट कॉम । न्यूज

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना की बढ़ती ताकत यूरोप, इजरायल और अमेरिका के लिए काफी महत्वपूर्ण है। ये कहा है इजरायली एक्सपर्ट पौशाली लास ने। उन्होंने जेरुशलम पोस्ट में लिखा है कि आने वाले वक्त में ये महत्वपूर्ण नहीं होगा कि दुनिया के चोकप्वाइंट्स जैसे होर्मुज स्ट्रेट, बाब-अल-मंदेब और मलक्का जलडमरूमध्य पर किसका कंट्रोल है बल्कि ये महत्वपूर्ण होगा कि इन चोकप्वाइंट्स को खुला रखने में कौन मदद कर सकता है और यहां भारतीय नौसेना की भूमिका सबसे ज्यादा गेमचेंजर साबित हो जाती है।



उन्होंने लिखा है कि इजरायल, अमेरिका और EU के लिए भारत सिर्फ आर्थिक विकास या उभरती हुई डिफेंस सुपरपावर की कहानी नहीं है। यह एक ऐसे रणनीतिक साझेदार के तौर पर उभर रहा है जो ग्लोबल समुद्री सिस्टम को मजबूत करने में सक्षम है खासकर ऐसे समय में जब ट्रेड रूट्स, ऊर्जा सुरक्षा और जियोपॉलिटिकल स्थिरता

पर भारी दबाव है खासकर हालिया अमेरिका-इजरायल-ईरान संघर्ष के बाद।

भारत की नौसेना के बिना क्यों अधूरी है सुरक्षा? : उन्होंने लिखा है कि दुनिया के नक्शे पर एक नजर डालते ही भारत का सबसे बड़ा फायदा साफ हो जाता है। हिंद महासागर के बीचों-बीच स्थित भारत मध्य पूर्व के ऊर्जा-उत्पादक क्षेत्रों, अफ्रीका की उभरती अर्थव्यवस्थाओं और पूर्वी एशिया के मैन्युफैक्चरिंग हब के बीच बसा है। इसकी पश्चिमी तटरेखा फारस की खाड़ी और लाल सागर को जोड़ने वाले समुद्री रास्तों के सामने है जबकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह मलक्का जलडमरूमध्य तक रणनीतिक

1200 kV Transformer: BHEL ने बनाया भारत का पहला सबसे शक्तिशाली ट्रांसफॉर्मर, गांव की बिजली करेगी शहरों को रोशन

कोबर डॉट कॉम । न्यूज

नई दिल्ली। भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) ने पावर ग्रिड के क्षेत्र में बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दरअसल BHEL ने पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक पर भारत में तैयार 1200 kV का अल्ट्रा-हाई वोल्टेज एसी ट्रांसफॉर्मर बनाया और टेस्ट कर लिया है। यह उपलब्धि ऐतिहासिक इसलिए भी है क्योंकि फिलहाल यह तकनीक चुनिंदा देशों के पास ही है। अपनी स्वदेशी 1200 kV का अल्ट्रा-हाई वोल्टेज एसी ट्रांसफॉर्मर की बढौलत भारत भी इस खास क्लब में शामिल हो गया है। इस ट्रांसफॉर्मर को BHEL के भोपाल प्लांट में ही डिजाइन और बनाया गया है, जिसे मध्य प्रदेश के बीना में स्थित पावरग्रिड के नेशनल टेस्ट स्टेशन पर लगाया जाएगा। क्या है 1200 kV ट्रांसफॉर्मर की खासियतें?

क्या है 1200 kV ट्रांसफॉर्मर की खासियतें?

BHEL का नया ट्रांसफॉर्मर 333 MVA

क्षमता और 1150/400/33 kV क्षमता वाला एक सिंगल-फेस ऑटो ट्रांसफॉर्मर है। इसकी मदद से बिना बिजली बर्बाद किए बेहद लंबी दूरी तक भारी मात्रा में बिजली आसानी से भेजी जा सकती है, जिससे देश में बिजली की किल्लत दूर होगी।

इस विशालकाय यूनिट को मध्य प्रदेश के बीना में भारत के पहले प्रायोगिक 1200 kV नेशनल टेस्ट स्टेशन में स्थापित किया जाएगा। यह देश के किसी भी सबस्टेशन में लगाने वाला अभी तक का सबसे बड़ा उपकरण होगा। इस यूनिट की खासियत है कि इसे आधुनिक तकनीक और उन्ते ही कंट्रोल्ड वातावरण में अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत तैयार किया गया है।

क्या करेगा ये ट्रांसफॉर्मर?

1200 kV का यह ट्रांसफॉर्मर अल्ट्रा-हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन के लिए बेहद जरूरी है। इसकी मदद से बिजली बर्बाद किए बिना लंबी दूरी तक बिजली भेजी जा सकती है।

इस टेक्नोलॉजी की मदद से भारत के मौजूदा 765 kV नेटवर्क को आगे बढ़ाने और ग्रिड को

ज्यादा स्थिर और कुशल बनाने में मदद करेगी।

यह नया सिस्टम ज्यादा लोड झेलने में सक्षम है और पूरे देश की ग्रिड लाइन सुरक्षित और स्थिर रख सकता है। इससे भारत की विदेशों से आयात होने वाली तकनीक पर निर्भरता घटेगी।

कैसे तैयार किया गया 1200kV का ट्रांसफॉर्मर

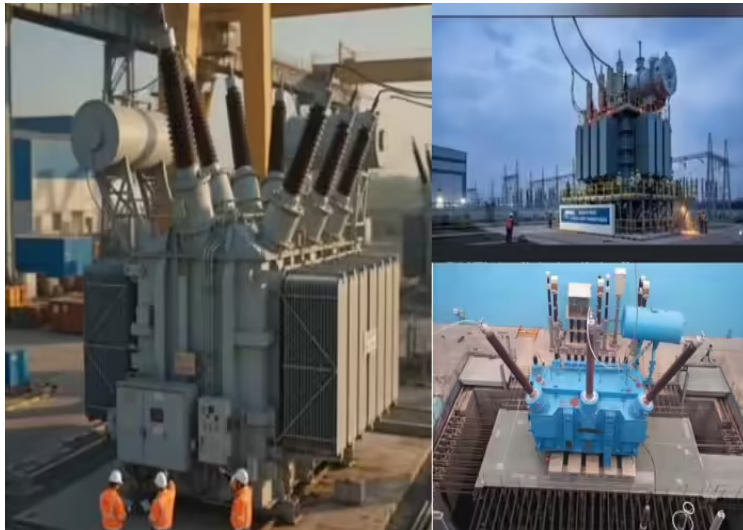
इस ट्रांसफॉर्मर को बनाने में बिना किसी बाहरी देश या कंपनी की मदद के दो साल की मेहनत और रिसर्च लगी है।

इसे भोपाल के खास तौर पर बनाए गए ट्रांसफॉर्मर केंद्र में बनाया गया है, जहां इसकी क्वालिटी से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया गया है।

इससे पहले BHEL देश का पहला स्वदेशी 500 MVA, 765 kV ट्रांसफॉर्मर का ट्रांसफॉर्मर बना चुका है।

अब आगे क्या?

इस 1200 kV के ट्रांसफॉर्मर की मदद से देश के दूर-दराज के इलाकों में बनने वाली



सौर और पवन ऊर्जा को बड़े शहरों और औद्योगिक केंद्रों तक आसानी से पहुंचाया जा सकेगा। भविष्य में इसका उत्पादन बढ़ाकर राष्ट्रीय ग्रिड का विस्तार किया जा सकता है और इसे दूसरे देशों में निर्यात भी किया जा

सकता है। हालांकि फिलहाल इस काम की सबसे बड़ी चुनौती भारी लागत है। इसके अलावा तकनीक अपनाने में आने वाली शुरुआती चुनौतियों से निपटना भी एक बड़ा काम रहने वाला है।